卐 श्री सदगुरू देवाय नम: 卐 卐ओ३म् 卐 卐 जय माता दी 卐
卐 सीताराम बाबा जी 卐卐 जय बाबा की 卐卐 श्याम बाबा 卐 卐
卐 ! जाके सुमिरन तें रिपु नासा!! ! नाम सत्रुहन बेद प्रकासा!! 卐

उल्लंघ्य सिन्धोः सलिलं सलीलं,यः शोकवह्निं जनकात्मजायाः आदाय तेनैव ददाह लंकां,नमामि तं प्राञ्जलिराञ्जनेयम्
मनोजवं मारुत तुल्य वेगं,जितेन्द्रियं बुद्धिमतां वरिष्ठम् वातात्मजं वानरयूथ मुख्यं, श्रीराम दूतं शरणं प्रपद्ये

केंद्र व उत्तरांचल सरकार से विज्ञापन मान्यता प्राप्त

हिन्दी सान्ध्य दैनिक

उत्तरांचल दर्पण

♦वर्ष 26 ♦अंक 216 ♦पृष्ठ 8 ♦रुद्रपुर (ऊधमसिंहनगर) ♦बुधवार ♦13 मई 2026 ♦मूल्य दो रूपया

हादसे में दो युवकों की मौत, पांच घायल

हाईवे पर फार्च्यूनर और नई कार की आमने सामने जोरदार भिड़ंत

नानकमत्ता (उद संवाददाता)। क्षेत्र के दहला रोड स्थित नानकमत्ता हाईवे पर देर रात हुए भीषण सड़क हादसे में दो

लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि पांच युवक गंभीर रूप से घायल हो गये। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और राहत एवं

बचाव कार्य शुरू कराया। घायलों को तत्काल 108 एम्बुलेंस की सहायता से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सितारगंज भेजा गया।प्राप्त जानकारी के अनुसार यूके 06 एई 5310 फार्च्यूनर वाहन और एक नई किंग्स कार के बीच जोरदार टक्कर हो गई। बताया जा रहा है कि नई कार को उसका स्वामी हल्द्वानी स्थित शोरूम से लेकर चम्पावत जा रहा था। इसी दौरान दहला रोड हाईवे पर दोनों वाहनों की आमने सामने भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए और मौके पर अफरा तफरी मच गई। हादसे के बाद हाईवे पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई।हादसे में घायल 24 वर्षीय दीपान्त सिंघल पुत्र पवन कुमार सिंघल निवासी आवास विकास कॉलोनी, हरीश्रीनाथ मंदिर के निकट, किच्छा को गंभीर हालत में अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उपचार के दौरान चिकित्सकों (शेष पृष्ठ सात पर)

नशा मुक्ति केंद्र में मरीज की गला रेतकर हत्या

रुड़की (उद संवाददाता)। सिविल लाइन कोतवाली क्षेत्र के भंगेड़ी स्थित एक नशा मुक्ति केंद्र में सनसनीखेज वारदात सामने आई है। यहाँ उपचार के लिए भर्ती एक 37 वर्षीय व्यक्ति की संदिग्ध परिस्थितियों में हत्या कर दी गई। मृतक का शव केंद्र के शौचालय में लहूलुहान हालत में मिला, जिसके गले पर धारदार हथियार के गहरे निशान पाए गए हैं। इस घटना से केंद्र और पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, लक्सर क्षेत्र के बसेड़ी गांव निवासी आशीष (37 वर्ष) को करीब तीन माह पहले परिजनों ने भंगेड़ी स्थित इस नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती कराया था। मंगलवार रात जब केंद्र के शौचालय में आशीष का शव संदिग्ध अवस्था में पड़ा देखा गया, तो केंद्र संचालक ने आनन-फानन में पुलिस को इसकी सूचना दी। मौके पर पहुँची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर घटनास्थल का निरीक्षण किया। मृतक के गले पर किसी धारदार वस्तु से प्रहार के निशान मिले हैं, जो प्रथम दृष्टया हत्या की ओर इशारा कर रहे हैं। सूचना मिलते ही मृतक के परिजन भी मौके पर पहुँच गए। परिजनों ने आरोप लगाया है कि आशीष की हत्या की गई है। केंद्र में भर्ती अन्य मरीजों और वहां के माहौल को लेकर भी परिजनों ने नाराजगी जाहिर की है। मौके पर मौजूद (शेष पृष्ठ सात पर)

शौचालय में मिला शव, केंद्र में तीन माह से भर्ती था युवक

कांग्रेस नेत्री ज्योति रौतेला ने किया आत्मदाह का प्रयास

पानी की टंकी पर चढ़े नर्सिंग बेरोजगारों का आंदोलन उग्र

देहरादून (उद संवाददाता)। अपनी मांगों को लेकर पिछले कई दिनों से आंदोलनरत नर्सिंग एकता मंच के सदस्यों का आंदोलन अब उग्र रूप लेता जा रहा है। बुधवार को परेड ग्राउंड स्थित पानी की टंकी पर चढ़े आंदोलनकारियों ने विरोध प्रदर्शन तेज कर दिया। आंदोलन को समर्थन देने पहुंचीं कांग्रेस नेता ज्योति रौतेला भी आंदोलनकारियों के साथ टंकी पर डटी रहीं। आंदोलनकारियों की तबीयत बिगड़ने और आत्मदाह के प्रयास की घटना से मौके पर हड़कंप मच गया। जानकारी के अनुसार नर्सिंग एकता मंच के बैनर तले करीब साढ़े पांच महीने से नर्सिंग बेरोजगार धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। आंदोलनकारियों की मुख्य मांग है कि वर्षवार भर्ती कर वरिष्ठता के आधार पर नियुक्तियां दी जाएं। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि लंबे समय से आंदोलन के बावजूद सरकार की ओर से कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया, जिसके चलते उन्हें आंदोलन तेज करने के लिए मजबूर होना पड़ा। आंदोलनकारियों का कहना है कि जब तक उनकी मांगों को लेकर शासनादेश जारी नहीं किया जाता, तब तक आंदोलन समाप्त नहीं किया जाएगा। लंबे समय से भोजन और सामान्य दिनचर्या बाधित होने के कारण आंदोलनकारियों की तबीयत लगातार बिगड़ रही है। मंगलवार देर रात आंदोलन उस समय और अधिक उग्र हो गया जब करीब 40 घंटे से टंकी पर चढ़े आंदोलनकारियों में शामिल कांग्रेस नेता ज्योति रौतेला ने कथित रूप से खुद पर पेट्रोल छिड़ककर आत्मदाह का प्रयास किया। हालांकि उनके साथ मौजूद अन्य आंदोलनकारियों ने समय रहते उन्हें रोक लिया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। घटना के बाद नीचे (शेष पृष्ठ सात पर)

चाउमीन विवाद में फायरिंग करने वाले आरोपी गिरफ्तार

रुद्रपुर। रंपुरा क्षेत्र के निचला चौराहा स्थित चाउमीन-मोमो की दुकान पर पैसे मांगने को लेकर हुए विवाद के बाद फायरिंग और पथराव करने वाले आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। घटना के बाद इलाके में दहशत फैल गई थी और बाजार में अफरा-तफरी मच गई थी। पुलिस के अनुसार चाउमीन के पैसे मांगने पर दुकानदार और कुछ युवकों के बीच विवाद हो गया था। इसके बाद आरोपी दोबारा मौके पर पहुंचे और हवाई फायरिंग कर दी। घटना के दौरान पथराव भी हुआ, जिससे क्षेत्र में तनाव का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास लगे

सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। फुटेज और स्थानीय लोगों से मिली जानकारी के आधार पर आरोपियों की पहचान कर दबिश दी गई। पुलिस ने सभी नामजद आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस का कहना है कि शहर में कानून व्यवस्था बिगाड़ने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। वहीं स्थानीय लोगों ने पुलिस की त्वरित कार्रवाई की सराहना की है।

एनटीए ने लाखों युवाओं का सपना तोड़ा: गाबा

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। नीट यूजी परीक्षा के पेपर लीक होने के आरोपी राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी ने देश के लाखों युवाओं के सपनों को तोड़कर उनके भविष्य को अंधकारमय कर दिया है। इस मामले में दोषी सभी अधिकारियों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए। मीडिया से बातचीत करते समाजसेवी सुशील गाबा ने कहा कि देश के करीब 23 लाख युवाओं ने वर्षों की कड़ी मेहनत और भारी धनराशि खर्च कर 2 मई को दंत चिकित्सा की नीट यूजी परीक्षा दी थी। परंतु आयोजक परीक्षा एजेंसी के कुछ अधि

कारियों की मिलीभगत से इस परीक्षा के पेपर को लीक कर दिया गया। जिसका खामियाजा देश के लाखों युवाओं को भुगतना पड़ा। उन्होंने कहा कि ऐसे देशद्रोही अधिकारियों के खिलाफ देश की जनता को एकजुट होकर आवाज उठानी चाहिए। वह हमेशा इस आन्दोलन को पूरा सहयोग करेंगे। उन्होंने कहा कि देश के लाखों नौजवानों का सपना होता है कि वह चिकित्सा क्षेत्र में आगे बढ़कर समाज और देश की सेवा करें। परंतु कुछ भ्रष्ट अधि कारी उनके इस मार्ग में रोड़ बनकर आगे आ गये। श्री गाबा ने कहा कि यह बात भ्रष्ट अधिकारी नहीं जानते हैं कि लाखों गरीब व मध्यम वर्ग के परिवारों के युवाओं ने किन परिस्थितियों में पढ़ाई कर यह परीक्षा दी थी। (शेष पृष्ठ सात पर)

डंपरों से अवैध वसूली के मामले में भाजपा नेता विकास सागर पर मुकदमा दर्ज

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। जनपद के चर्चित डंपर वसूली कांड में आखिरकार पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। लंबे समय से चल रही खींचतान और राजनीतिक दबाव के बीच एसएसपी के आदेश पर भाजपा नेता विकास सागर के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। इस मामले ने पिछले एक महीने से जिले की सियासत और पुलिस प्रशासन के बीच काफी हलचल मचा रखी थी। जानकारी के अनुसार, कुछ समय पूर्व राम सिंह नामक व्यक्ति ने पुलिस को तहरीर सौंपकर सनसनीखेज आरोप लगाए थे। तहरीर में कहा गया था कि भाजपा नेता विकास सागर डंपरों के बेरोकटोक संचालन और पुलिसिया कार्यवाही से बचाने के नाम पर एंट्री वसूल रहे थे। आरोप है कि इसके लिए डंपर स्वामियों से 70 हजार रुपये प्रतिमाह की मांग की जा रही थी। विकास सागर ने भरोसा दिलाया था कि एंट्री देने के बाद किसी भी वाहन को पुलिस या प्रशासन की कार्यवाही का सामना नहीं करना पड़ेगा। वसूली के इस खेल का पर्दाफाश तब हुआ जब एंट्री देने के बावजूद पुलिस ने ओवरलोडिंग के खिलाफ चलाए गए अभियान में एक डंपर को पकड़कर सीज कर दिया। डंपर सीज होते ही पीड़ित पक्ष ने भाजपा नेता से संपर्क किया, लेकिन कोई राहत न मिलने पर मामला पुलिस तक पहुँच गया। इसके बाद डंपरों के नाम पर चल रहे इस अवैध वसूली के नेटवर्क की परतें खुलने लगीं।इस मामले को लेकर पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल ने बेहद आक्रामक रुख अपनाया था। (शेष पृष्ठ सात पर)

‘मुख्यमंत्री की फटकार’ के बाद भी ‘संजीदा’ नहीं हुआ एनएच

फटकार के बाद सड़क सुधारीकरण तो आरंभ हुआ पर हिचकोले खा रहे टेड़ा घाट पुल से एनएच ने फेरी आंखें

-अर्श-

खटीमा। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा बीते साल के नवंबर माह में खटीमा-मझोला राष्ट्रीय राजमार्ग के निरीक्षण के दौरान एनएच अधिकारियों को तगड़ी फटकार लगाने के बाद एनएच ने उपरोक्त मार्ग के मरम्मत का काम तो आरंभ किया, लेकिन टेड़ा घाट इलाके में किसी बड़ी दुर्घटना को दावत दे रहे पांच दशक पुराने जर्जर मोटर पुल से निगाहें पूरी तरह फेर ली है। उल्लेखनीय है कि खटीमा-मझोला राष्ट्रीय राजमार्ग पर

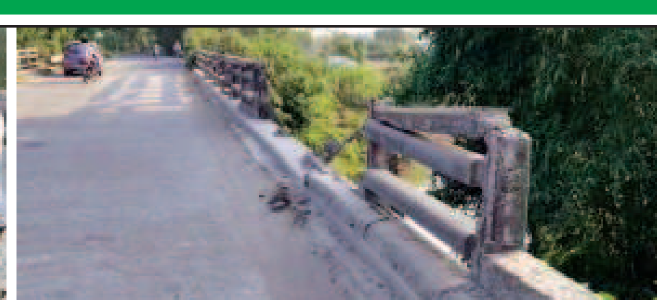

करीब पांच दशकों से हाईवे पर सभी छोटे बड़े वाहनों का बोझ उठता चला आ रहा यह पुल वर्तमान में बेहद जर्जर हो चुका है। पुल के दोनों किनारे जहां क्षतिग्रस्त हो चुके हैं, तो वहीं उनमें पड़ा गड्ढा, कभी भी किसी बड़े सड़क हादसे का सबब बन सकता है। ज्ञात हो कि एनएच विभाग द्वारा आजकल खटीमा-मझोला राष्ट्रीय राजमार्ग के मरम्मत का कार्य किया जा रहा है, मगर उपरोक्त राजमार्ग पर ही स्थित इस जजर्र पुल की मरम्मत एनएच विभाग की ओर से ना किए जाने के कारण स्थानीय लोग किसी संभावित दुर्घटना को लेकर खासे आशंकित हैं।स्थानीय निवासियों के अनुसार उपरोक्त पुल को बने करीब 50-60 साल हो गए हैं और अब यह पूरी तरह कमजोर हो चुका है। लिहाजा अब इसकी मरम्मत की दरकार है, क्योंकि जब भी कोई वाहन पुल से गुजरता है ,तो पुल बुरी तरह हिलने लगता है। हालात कुछ ऐसे हो चले हैं कि पुल के किनारे पर बने हिस्से पूरी तरह जर्जर हो चुके हैं और समूचा पुल कई जगहों से टूटा (शेष पृष्ठ सात पर)

इतिहास के पन्नों से...कांग्रेस ने तो सोना रखने को ही घोषित कर दिया था अपराध !

कांग्रेस सरकारों ने कभी सोने पर कानूनी पाबंदी लगाई, कभी जनता से गहने दान करने, उपवास रखने और खर्च में कटौती की अपील की

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देशवासियों से संयम और सतर्कता बरतने की अपील पर कांग्रेस लगातार सवाल उठा रही है। विपक्ष इसे सरकार की आर्थिक चिंताओं से जोड़ते हुए राजनीतिक हमला कर रहा है। लेकिन यदि इतिहास के पन्नों को पलटकर देखा जाए तो तस्वीर बिल्कुल अलग नजर आती है। देश पर संकट के समय कांग्रेस की सरकारों ने न केवल जनता से त्याग और सादगी अपनाने की अपील की, बल्कि कई बार कठोर आर्थिक फैसले लेते हुए सोने के स्वामित्व और व्यापार तक पर कानूनी प्रतिबंध लगाए। दरअसल, स्वतंत्र भारत के आर्थिक इतिहास में कई ऐसे अवसर आए जब सरकारों ने नागरिकों से व्यक्तिगत सुविधाओं और उपभोग में कटौती करने को कहा। कभी महिलाओं से अपने गहने राष्ट्र रक्षा कोष में दान करने का आह्वान किया गया, तो कभी लोगों से सप्ताह में एक दिन उपवास रखने और भोजन की आदतें बदलने की अपील की गई। विदेशी मुद्रा संकट के दौर में सोना खरीदने से बचने का आग्रह किया गया, जबकि बढ़ती सब्सिडी के बोझ पर यह तक कहा गया कि "पैसा पेड़ों पर नहीं उगता।" 1962: **जब नेहरू ने महिलाओं से गहने दान करने को कहा** : 1962 में चीन के साथ युद्ध के दौरान भारत की आर्थिक स्थिति पर भारी दबाव पड़ा। रक्षा जरूरतों को पूरा करने और संसाधन जुटाने के लिए तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने देशवासियों से राष्ट्रीय रक्षा कोष में योगदान देने की अपील की। महिलाओं से विशेष रूप से अपने स्वर्ण आभूषण दान करने का आग्रह किया गया। उस समय इसे देशभक्ति और राष्ट्रीय कर्तव्य का प्रतीक बताया गया। देशभर में लाखों परिवारों ने इस आह्वान का समर्थन किया और बड़ी मात्रा में स्वर्ण आभूषण सरकार को सौंपे गए। यह स्वतंत्र भारत में जनता से त्याग और योगदान की सबसे बड़ी अपीलों में से एक मानी जाती है। 1962 से 1968: **सोने पर नियंत्रण का सख्त दौर** : चीन युद्ध के बाद विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव और बढ़ते स्वर्ण आयात को देखते हुए केंद्र सरकार ने स्वर्ण नियंत्रण नीतियां लागू कीं। 1962 के स्वर्ण नियंत्रण आदेश और बाद की नीतियों के तहत सोने के आयात, व्यापार और स्वामित्व पर कड़े प्रतिबंध लगाए गए। 1963 में 14 कैरेट से अधिक शुद्धता वाले आभूषणों के निर्माण पर रोक लगा दी गई। इसके बाद 1968 के गोल्ड कंट्रोल एक्ट ने इन प्रतिबंधों को और कठोर बना दिया। नागरिकों के लिए सोने की ईंटें और सिक्के रखना प्रतिबंधित कर दिया गया तथा ज्वैलर्स पर भी सख्त नियम लागू किए गए। उस दौर में आम धारणा थी कि सरकार ने सोना रखने को लगभग अपराध की श्रेणी में ला दिया है।1966: **इंदिरा गांधी का "सोने के खिलाफ युद्ध"** : 1966 में प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने संसद में कहा कि भारत को "सोने की

लत" से मुक्त करना होगा। उन्होंने तर्क दिया कि अत्यधिक स्वर्ण आयात विदेशी मुद्रा के बहुमूल्य भंडार को कमजोर कर रहा है। इंदिरा गांधी ने कहा कि देश को सोने के प्रति आकर्षण कम करना होगा और निवेश को उत्पादक क्षेत्रों की ओर मोड़ना होगा। सरकार ने सोने की मांग कम करने के लिए जनजागरण अभियान भी चलाए और इसे राष्ट्रीय आर्थिक नीति का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाया।1950 **का दशक: भोजन की आदतें बदलने की अपील** : स्वतंत्रता के शुरुआती वर्षों में भारत खाद्यान्न संकट से जूझ रहा था। इस दौरान जवाहरलाल नेहरू ने नागरिकों से भोजन की आदतों में बदलाव करने की अपील की। उन्होंने उत्तर भारत के लोगों से चावल का उपभोग कम करने का सुझाव दिया ताकि सीमित संसाधनों का संतुलित उपयोग किया जा सके। सरकार का मानना था कि यदि लोग अपनी खान-पान की आदतों में बदलाव करेंगे तो खाद्यान्न संकट से निपटना आसान होगा। 1965: **लाल बहादुर शास्त्री का सोमवार उपवास** :1965 में पाकिस्तान के साथ युद्ध और देश में खाद्यान्न संकट के बीच प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने नागरिकों से सप्ताह में एक दिन उपवास रखने और सोमवार को एक समय भोजन छोड़ने की अपील की। देशभर में होटल और रेस्तरां भी सोमवार को बंद रखे जाते थे। शास्त्री का यह आह्वान राष्ट्रीय अनुशासन और त्याग का प्रतीक बन गया। जनता ने इसे व्यापक रूप से स्वीकार किया और यह अभियान देश के इतिहास में मिसाल के रूप में दर्ज हो गया। 2013: **चिदंबरम ने कहा सोना कम खरीदिए** : संप्रग सरकार के दूसरे कार्यकाल में भारत का चालू खाता घाटा चिंताजनक स्तर पर पहुंच गया। स्वर्ण आयात को इसका प्रमुख कारण माना गया। तत्कालीन वित्त मंत्री पी. चिदंबरम ने 2013 में कई बार लोगों से सोना खरीदने से बचने की अपील की। उन्होंने कहा कि सोने की बढ़ती मांग विदेशी मुद्रा पर भारी दबाव डाल रही है और अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचा रही है। इसके बाद सोने के आयात शुल्क में बढ़ोतरी सहित कई कदम उठाए गए।**"पैसे पेड़ों पर नहीं उगते": मनमोहन सिंह** : पेट्रोलियम और उर्वरक सब्सिडी के बढ़ते बोझ के बीच तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने स्पष्ट शब्दों में कहा था कि "पैसा पेड़ों पर नहीं उगता।" उनका आशय यह था कि सरकार के संसाधन सीमित हैं और लोकप्रिय योजनाओं तथा सब्सिडी का खर्च अंततः अर्थव्यवस्था पर असर डालता है। यह बयान उस समय काफी चर्चा में रहा और इसे आर्थिक यथार्थ का स्पष्ट संदेश माना गया। **हरदीप पुरी का आश्वासन** : हाल ही में केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि देश में फिलहाल ईंधन की कोई कमी नहीं है और सरकार सभी परिस्थितियों पर नजर बनाए हुए है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति सामान्य बनी हुई है और घबराने की कोई जरूरत नहीं है। भारत के राजनीतिक और आर्थिक इतिहास का निष्कर्ष स्पष्ट हैख़जब भी देश संकट के दौर से गुजरा, सरकारों ने जनता से त्याग, संयम और अनुशासन की अपेक्षा की। यह किसी एक दल की नीति नहीं रही, बल्कि राष्ट्रीय परिस्थितियों के अनुरूप अपनाया गया एक व्यवहारिक दृष्टिकोण रहा है। आज यदि संयम और सादगी की अपील को लेकर राजनीतिक विवाद हो रहा है, तो इतिहास यह याद दिलाता है कि कांग्रेस सरकारें भी ऐसे कदम उठाने से पीछे नहीं हटी थीं। सोना दान करने से लेकर उसे नियंत्रित करने तक, उपवास रखने से लेकर खर्च घटाने तकख़भारतीय राजनीति में जनता से सहयोग मांगने की यह परंपरा दशकों पुरानी है।

भाजयुमो नेता पर नहीं हुआ वांछित धाराओं में मुकदमा दर्ज : ठुकराल

पूर्व विधायक ने पुलिस की कार्रवाई पर उठाये सवाल

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। डम्परों से अवैध वसूली करने वाले भाजयुमो नेता पर पुलिस द्वारा तमाम सबूतों व कलमबंद बयान होने के बावजूद भी हल्की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। जबकि आरोपी पर लूट व रंगदारी की धारायें भी शामिल की जानी चाहिए थी। दर्पण न्यूज से बातचीत करते पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल ने पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए कहा कि 14 अप्रैल को रामसिंह के दो डम्पर पुलिस द्वारा अवैध खनन के साथ पकड़ कर सीज कर दिया गया था। जिस पर उसने विकास सागर को फोन पर कहा कि वह अपने दो डम्परों के उसे 70 हजार रूपये इस लिए देता है कि उसके डम्परों को कभी भी पकड़ा नहीं जायेगा। उसने सागर को कोतवाली बुलवाया जहां सीओ के समक्ष

विकास सागर ने खुद को भाजयुमो का जिला अध्यक्ष बताते हुए रौब जमाया। श्री ठुकराल ने कहा कि ईमानदार सीओ ने सागर को फटकार लगाते हुए उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज करने के निर्देश दिये। परंतु किसी दबाव में मुकदमा दर्ज नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि वह इस मामले में एसएसपी से सारे सबूतों के साथ मिले। जिसके बाद सागर के कलमबंद बयान दर्ज किये गये। उन्होंने कहा कि वह मुकदमा दर्ज कराने को पुनः 8 मई को पुलिस अधिकारियों से मिले। अब विकास सागर के खिलाफ मुकदमा तो दर्ज कर लिया गया है जिसके लिए वह पुलिस का धन्यवाद करते हैं परंतु मुकदमें में धोखाधड़ी व चोरी की धारायें ही लगाई गई हैं जबकि इसमें लूट व रंगदारी मांगने की धारायें भी शामिल करनी चाहिए।

ब्राह्मण महासभा ने मेयर विकास शर्मा के लिए मांगी अतिरिक्त सुरक्षा

रूद्रपुर। रूद्रपुर के महापौर विकास शर्मा को अतिरिक्त सुरक्षा उपलब्ध कराने की मांग को लेकर श्री ब्राह्मण महासभा जन कल्याण सेवा समिति ने जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में महापौर की जानमाल को खतरा बताते हुए शासन प्रशासन से तत्काल अतिरिक्त सुरक्षा व्यवस्था उपलब्ध कराने की मांग की गई है। ब्राह्मण महासभा की ओर से सौंपे गए ज्ञापन में कहा गया कि महापौर विकास शर्मा लगातार रूद्रपुर शहर के विकास और जनहित के कार्यों में सक्रिय रूप से जुटे हुए हैं। विशेष रूप से शहर में सड़क चौड़ीकरण और सरकारी एवं नजूल भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि कुछ भू माफिया और अतिक्रमणकारी तत्व महापौर की कार्यशैली से नाराज हैं और इसी कारण उनके प्रति रंजिश रख रहे हैं। ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि रूद्रपुर शहर की सैकड़ों एकड़ नजूल भूमि पर कथित रूप से अवैध कब्जे किए गए हैं,

जिन्हें हटाने के लिए महापौर विकास शर्मा द्वारा अभियान चलाया जा रहा है। इसी कार्रवाई से नाराज कुछ लोगों की ओर से महापौर को जानमाल का खतरा उत्पन्न हो गया है। संगठन ने प्रशासन से महापौर की सुरक्षा को गंभीरता से लेने की मांग करते हुए कहा कि किसी भी अप्रिय घटना से पहले आवश्यक कदम उठाए जाने चाहिए। ज्ञापन में कहा गया कि महापौर विकास शर्मा शहर के चौमुखी विकास के लिए लगातार कार्य कर रहे हैं और सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने की दिशा में भी सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। ऐसे में उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना प्रशासन की जिम्मेदारी है। ज्ञापन सौंपने वालों में संगठन से जुड़े कई पदाधिकारी और समाज के लोग मौजूद रहे। ज्ञापन देने वालों में मुकेश वशिष्ठ, पं. देवेन्द्र चतुर्वेदी, पं. इन्द्रेश शर्मा, पं. ललित शर्मा, पं. नरेश उप्रेती, राजेश शर्मा, आशुतोष शर्मा, सुनील शर्मा, पं. विश्वनाथ शर्मा, पं. धीरू त्रिपाठी, पं. यशपाल शर्मा, पं. समीर गौड़, संजीव शर्मा और चेतन शर्मा सहित ब्राह्मण समाज के अन्य प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

नर्सिंग सेवा और अंगदान मानवता की सर्वोच्च सेवा : राज्यपाल

राज्यपाल ने एम्स ऋषिकेश में उन्नत ट्रॉमा देखभाल, अंगदान और नर्सिंग उत्कृष्टता कार्यक्रम में किया प्रतिभाग

देहरादून/ऋषिकेश (उद संवाददाता)। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने मंगलवार को एम्स ऋषिकेश में आयोजित उन्नत ट्रॉमा देखभाल, अंगदान और नर्सिंग उत्कृष्टता विषयक कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। इस दौरान उन्होंने नर्सिंग क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले नर्सिंग अधिकारियों को सम्मानित किया तथा अंगदान करने वाले दानदाताओं एवं उनके परिजनों को भी सम्मान प्रदान किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि ट्रॉमा केयर, अंगदान और नर्सिंग उत्कृष्टता केवल चिकित्सा विज्ञान के विषय नहीं हैं, बल्कि मानवता की रक्षा के तीन सशक्त स्तंभ हैं। उन्होंने कहा कि यह सेवा भाव, संवेदनशीलता और जीवन के प्रति उत्तरदायित्व का प्रतीक है। राज्यपाल ने कहा कि नर्सिंग सेवा करुणा, समर्पण और मातृत्व की भावना का जीवंत स्वरूप है। गंभीर अवस्था में मरीज के लिए नर्स केवल स्वास्थ्यकर्मी नहीं बल्कि विश्वास, सहारा और आत्मीयता का प्रतीक बन जाती है। उन्होंने नर्सिंग पेशे के प्रति गहरी श्रद्धा व्यक्त करते हुए कहा कि नर्सें समाज में मानव सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण हैं। ट्रॉमा प्रबंधन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए राज्यपाल ने कहा कि दुर्घटना के बाद का गोल्डन ऑवर अत्यंत महत्वपूर्ण होता है और समय पर उपचार मिलने से मृत्यु दर में उल्लेखनीय कमी लाई जा सकती है। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड जैसे दुर्गम और पर्वतीय राज्य में प्रभावी ट्रॉमा प्रबंधन की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। अंगदान के महत्व पर बल देते हुए राज्यपाल ने कहा कि यह मानवता का सर्वोच्च दान है, जो किसी व्यक्ति को नया जीवन प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि शरीर भले ही नश्वर हो, लेकिन दान किए गए अंग मानवता के साथ जीवित रहते हैं। उन्होंने समाज से अंगदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने का आह्वान करते हुए कहा कि इससे अनेक लोगों का जीवन बचाया जा सकता है।राज्यपाल ने प्रसन्नता व्यक्त की कि एम्स ऋषिकेश हेलीकॉप्टर एम्बुलेंस, टेलीमेडिसिन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ड्रोन जैसी आधुनिक तकनीकों का प्रभावी उपयोग कर स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बना रहा है। उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं में एआई आधारित तकनीकों, रोबोटिक्स, आधुनिक डायग्नोस्टिक्स, नेत्र चिकित्सा और दंत चिकित्सा के क्षेत्र में किए जा रहे नवाचारों की भी सराहना की। इस अवसर पर मेयर ऋषिकेश शंभू पासवान, अध्यक्ष राज्य महिला आयोग कुसुम कण्डवाल, एम्स की कार्यकारी निदेशक डॉ मीनू सिंह, एचओडी ट्रॉमा केयर डॉ कमर आजम, डॉ शैलेन्दु शंकर, कर्नल बीनू शर्मा, डॉ मधुर उनियाल सहित एम्स ऋषिकेश के मेडिकल स्टाफ और अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

जल संरक्षण के लिए तालाबों के निर्माण पर जोर फीका नदी के पुनरुद्धार की बनी कार्ययोजना

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में स्प्रिंग एंड रिवर रिजुवेनेशन अथॉरिटी (सारा) द्वारा क्रियान्वित कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक का आरम्भ सारा के सदस्य सचिव एवं लघु सिंचाई खंड उधमसिंह नगर के अधिशासी अभियंता सुशील कुमार ने मुख्य विकास अधिकारी व समस्त प्रतिभागियों का स्वागत कर किया। इसके पश्चात उन्होंने वर्ष 2025-26 में किए गए कार्यों की प्रगति और वर्ष 2026-27 की कार्ययोजना का प्रस्तुतिकरण दिया। बैठक के दौरान सारा टीम द्वारा एक जिला एक नदी योजना के अंतर्गत चयनित फीका नदी के पुनरुद्धार की विस्तृत कार्ययोजना प्रस्तुत की गई। इस पर मुख्य विकास अधिकारी ने अन्य संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि वे फीका नदी की कार्ययोजना में जल संरक्षण कार्यों के अपने प्रस्ताव शीघ्र ही नोडल विभाग को प्रेषित करें। उन्होंने जल संरक्षण एवं संवर्धन के लिए जनपद में अधिक से अधिक तालाबों के निर्माण पर विशेष जोर दिया। मुख्य विकास अधिकारी ने समस्त अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देशित किया कि जल संरक्षण संबंधी आगामी कार्ययोजना तैयार कर एक सप्ताह के भीतर नोडल विभाग सारा या लघु सिंचाई विभाग को उपलब्ध

कराना सुनिश्चित करें।बैठक के अंत में मुख्य विकास अधिकारी ने सभी का धन्यवाद कर सत्र का समापन किया। इस महत्वपूर्ण बैठक में जिला स्तरीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने ऑफलाइन और ऑनलाइन दोनों माध्यमों से प्रतिभाग किया। आयोजन में मुख्य रूप से सदस्य सचिव सारा एवं अधिशासी अभियंता लघु सिंचाई सुशील कुमार, अधिशासी अभियंता सिंचाई खंड रुद्रपुर भरत सिंह डांगी, अधिशासी अभियंता सिंचाई खंड काशीपुर संजय कुमार गुप्ता, एसीएफ वन विभाग शशि देव, सहायक निदेशक मत्स्य विभाग एसके छिमवाल, मुख्य शिक्षा अधिकारी हरेन्द्र कुमार मिश्रा, पंचायती राज से विद्या सिंह सोमवाल, एसएनए नगर निगम काशीपुर शालिनी नेगी, समस्त खंड विकास अधिकारी एवं सारा टीम के सदस्य उपस्थित रहे।

बाल अधिकार संरक्षण आयोग के सदस्य ने दिए आधार कैंप लगाने और बाल श्रम रोकने के निर्देश

आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों के पोषण और शिक्षा की हुई समीक्षा

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। उत्तराखंड बाल अधिकार संरक्षण आयोग के सदस्य योगेश सिंह रजवार ने जनपद उधम सिंह नगर में आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों को निर्धारित स्वास्थ्य पोषण व शिक्षा एवं वन स्टॉप सेंटर के कार्य संचालन से संबंधित विषयों पर बैठक की। इस दौरान सरकार द्वारा चलाई जा रही समस्त योजनाओं के विषय में जिला कार्यक्रम अधिकारी द्वारा विस्तृत जानकारी दी गई।बैठक में योगेश सिंह रजवार ने निर्देश दिए कि गांवों में हर वर्ग के लाभार्थियों तक सरकारी स्कीमों को पहुंचाने के लिए एक रोस्टर बनाया जाए। उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में आधार कैंप लगाने, बाल श्रम और भिक्षा वृत्ति को प्रभावी ढंग से रोकने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने जोर दिया कि ऐसे निराश्रित बच्चों को चिन्हित कर उन्हें शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ा जाए ताकि उनका भविष्य सुरक्षित हो सके।बैठक में जिला कार्यक्रम अधिकारी मुकुल चौधरी, बाल विकास परियोजना अधिकारी रुद्रपुर शहर आशा नेगी, बाल विकास परियोजना अधिकारी रुद्रपुर ग्रामीण हेमा

कांडपाल, बाल विकास परियोजना अधिकारी गदरपुर बीना भंडारी, बाल विकास परियोजना अधिकारी सितारगंज शोभा जनोटी, बाल विकास परियोजना अधिकारी काशीपुर शहर मोहिनी बिष्ट, बाल विकास परियोजना अधिकारी काशीपुर ग्रामीण विमल बाराकोटी, बाल विकास परियोजना अधिकारी जसपुर शहर एवं जसपुर ग्रामीण इंदिरा बरगली उपस्थित रहे।इसके अलावा समस्त सुपरवाइजर, सखी वन स्टॉप सेंटर से केंद्र प्रशासक कविता बडोला एवं जिला कार्यक्रम कार्यालय से नीमा बिष्ट, कमला अधिकारी, सोनाली जौहरी, दीक्षा कुमारी ठाकुर और अंकित कुमार भी उपस्थित रहे।

बाहरी गाइडों की तैनाती पर भड़के नेचर गाइडों ने किया प्रदर्शन

रामनगर (उद संवाददाता)। रामनगर वन प्रभाग के भण्डारपानी गेट पर मंगलवार सुबह उस समय माहौल गरमा गया, जब सीतावनी नेचर गाइड एसोसिएशन से जुड़े दर्जनों गाइड सांकेतिक विरोध प्रदर्शन के लिए एकत्र हो गए। गाइडों ने वन विभाग पर स्थानीय युवाओं की अनदेखी कर दूसरे गेट के नेचर गाइड को भण्डारपानी गेट पर नियुक्त करने का गंभीर आरोप लगाया। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि यह फैसला बिना किसी पारदर्शी प्रक्रिया और स्थानीय गाइडों से चर्चा किए लिया गया है, जिससे उनके रोजगार और अधिकारों पर सीधा असर पड़ रहा है। सुबह की पहली सफारी शुरू होने से पहले भण्डारपानी गेट पर जुटे गाइडों ने शांतिपूर्ण तरीके से अपनी नाराजगी जाहिर की और वन विभाग के खिलाफ नारेबाजी करते हुए निष्पक्ष व्यवस्था लागू करने की मांग की। उनका कहना है कि वर्षों से यहाँ कार्य कर रहे स्थानीय लोगों को दरकिनार कर बाहरी गेट के गाइडों को तैनाती देना पूरी तरह गलत है। प्रदर्शन के दौरान जंगल

सफारी के लिए पहुंचे कई पर्यटकों ने भी गाइडों की मांग का समर्थन करते हुए कहा कि स्थानीय गाइड क्षेत्र की भौगोलिक परिस्थितियों और वन्यजीवों की गतिविधियों को बेहतर तरीके से जानते हैं।सीतावनी नेचर गाइड एसोसिएशन द्वारा वन विभाग को सौंपे गए ज्ञापन में कहा गया है कि इस फैसले के खिलाफ पहले भी कई बार आपत्ति दर्ज कराई जा चुकी है। गाइडों के अनुसार 7 मई 2026 को उप प्रभागीय वनाधिकारी रामनगर अंकित बडोला और 11 मई 2026 को प्रभागीय वनाधिकारी व कोटा रेंज के वन क्षेत्राधिकारी को लिखित शिकायत दी गई थी, लेकिन विभाग की ओर से अब तक कोई संतोषजनक कार्रवाई नहीं की गई। इसी कारण उन्हें सांकेतिक प्रदर्शन का रास्ता अपनाना पड़ा। हालांकि पर्यटकों की सुविधा को देखते हुए विरोध प्रदर्शन को केवल आधे घंटे तक सीमित रखा गया।एसोसिएशन ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द इस मामले में निष्पक्ष निर्णय नहीं लिया गया, तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि किसी भी बड़े विवाद की जिम्मेदारी पूरी तरह वन विभाग की होगी। मामले में रामनगर वन प्रभाग के एसडीओ अंकित बडोला ने बताया कि उनके द्वारा इस विषय में नेचर गाइडों से वार्ता की जा रही है और आगे नियमानुसार कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। इस दौरान राजीव अग्रवाल सहित कई लोग उपस्थित रहे।

जन समस्याओं के समाधान को तहसील दिवस का रोस्टर जारी

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। जन समस्याओं के त्वरित निस्तारण और आमजन की शिकायतों के समाधान के उद्देश्य से जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया ने जनपद की सभी तहसीलों में आयोजित होने वाले तहसील दिवसों का रोस्टर जारी कर दिया है। तहसील दिवस प्रत्येक माह के प्रथम और तृतीय मंगलवार को प्रातः 10 बजे से आयोजित किए जाएंगे, जिसमें आमजन अपनी समस्याएं सीधे प्रशासन के समक्ष रख सकेंगे।जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया की अध्यक्षता में 19 मई को रूद्रपुर तहसील में तहसील दिवस का आयोजन किया जाएगा। इसके बाद 02 जून को किच्छा, 16 जून को सितारगंज, 07 जुलाई को जसपुर, 21 जुलाई को काशीपुर, 04 अगस्त को बाजपुर, 18 अगस्त को गदरपुर, 01 सितम्बर को नानकमत्ता तथा 15 सितम्बर को खटीमा तहसील में तहसील दिवस आयोजित किया जाएगा।जिलाधिकारी ने बताया कि यदि निर्धारित तिथि को राजकीय अवकाश घोषित होता है तो उसके अगले कार्य दिवस पर तहसील दिवस का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि तहसील दिवसों के माध्यम से जनता की समस्याओं को मौके पर सुनकर उनका त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाएगा, जिससे लोगों को कार्यालयों के अनावश्यक चक्कर न लगाने पड़ें।उन्होंने बताया कि प्रत्येक माह के प्रथम और तृतीय मंगलवार को परगनाधिकारी की अध्यक्षता में संबंधित परगना एवं तहसील कार्यालयों में भी तहसील दिवस आयोजित किए जाएंगे। प्रशासन का उद्देश्य जन शिकायतों का प्रभावी और पारदर्शी समाधान सुनिश्चित करना है, ताकि आमजन को समयबद्ध राहत मिल सके।

ढिकुली में शराब की दुकान खोलने का विरोध

रामनगर (उद संवाददाता)। ग्राम पंचायत ढिकुली में प्रस्तावित शराब की दुकान को लेकर स्थानीय निवासियों का आक्रोश लगातार बढ़ता जा रहा है। मंगलवार को बड़ी संख्या में महिलाओं

और जनप्रतिनिधियों के साथ ग्रामीणों ने रामनगर तहसील परिसर में जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान ग्रामीणों ने जिलाधिकारी नैनीताल ललित मोहन रयाल के नाम तहसीलदार मनीषा मारकाना को ज्ञापन सौंपकर शराब की दुकान को तत्काल बंद करने या उसे अन्यत्र स्थानांतरित करने की मांग की।ग्रामीणों का आरोप है कि पिछले दो महीनों से क्षेत्र के जनप्रतिनिधि और स्थानीय लोग शासन-प्रशासन से लिखित रूप में दुकान न खोलने का अनुरोध कर रहे हैं, लेकिन जनभावनाओं की अनदेखी की जा रही है। ग्रामीणों ने नाराजगी जताते हुए कहा कि गांव में पर्दे के पीछे से शराब की बिक्री शुरू कर दी गई है, जिससे क्षेत्र का माहौल खराब हो रहा है। प्रदर्शनकारी महिलाओं ने कहा कि शराब की दुकान खुलने से युवाओं पर बुरा प्रभाव पड़ेगा और गांव की शांति भंग होगी।ग्रामीणों ने प्रशासन पर एक व्यक्ति विशेष को लाभ पहुँचाने का आरोप लगाते हुए कहा कि यदि पंचायत प्रतिनिधियों की आपत्तियों को नजरअंदाज किया गया, तो प्रधान और क्षेत्र पंचायत सदस्य जैसे संवैधानिक पदों की गरिमा समाप्त हो जाएगी। उन्होंने प्रशासन को सख्त चेतावनी दी कि यदि ढिकुली में दुकान बंद नहीं की गई, तो ग्रामीण हाईवे जाम करने और उग्र आंदोलन के लिए मजबूर होंगे।वहीं, तहसीलदार मनीषा मारकाना ने बताया कि ग्रामीणों का ज्ञापन प्राप्त कर लिया गया है और इसे आवश्यक कार्रवाई हेतु जिलाधिकारी नैनीताल को प्रेषित किया जा रहा है। इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण और स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

मकरंदपुर में मां काली पूजा महोत्सव की धूम

रुद्रपुर। ग्राम मकरंदपुर में आयोजित मां काली पूजा महोत्सव में भक्ति और श्रद्धा का सैलाब उमड़ पड़ा। इस धार्मिक अनुष्ठान में पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल ने विशेष रूप से शिरकत की। उन्होंने मां काली के चरणों में शीश नवाकर पूजा-अर्चना की और क्षेत्र की खुशहाली व समस्त नागरिकों की सुख-समृद्धि के लिए प्रार्थना की। कार्यक्रम के दौरान आयोजन समिति के सदस्यों ने पूर्व विधायक का गर्मजोशी से स्वागत किया और उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए राजकुमार ठुकराल ने कहा कि मां काली शक्ति और साहस की प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह के धार्मिक आयोजन समाज में एकता और सकारात्मक ऊर्जा

का संचार करते हैं। ठुकराल ने आयोजन समिति के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि हमारी संस्कृति और परंपराओं को जीवंत रखने में ऐसे महोत्सवों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। महोत्सव के दौरान मंदिर परिसर मां काली के जयकारों और भक्तिमय भजनों से गूँज उठा। भक्तों ने विधि-विधान से पूजा संपन्न कराई और प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से गोविंद हाल्दार, हरेन्द्र नाथ हाल्दार, मनू चौधरी, प्रदीप कुमार राय, अभिमन्यु घोष, कृष्ण हाल्दार, नील कमल सरकार, किशोर ढाली, प्रशांत ढाली, हरे कृष्ण हाल्दार, हरिदास घोष, रंजीत राय, करन सिंह चुघ, बरीत सिंह, आनंद शर्मा, सुदीप ठाकुर, रवि हाल्दार और शुभम राय सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु और क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

सूचना नाम परिवर्तन

मेरा पुत्र विशाल राणा मेरे कहने सुनने में नहीं है। इसलिए मैंने उसे अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में मेरा उससे कोई सम्बन्ध नही है।

-लाल सिंह पुत्र श्री जय सिंह
निवासी ग्राम बरकीडांडी कोतवाली नानकमत्ता,जिला उधम सिंह नगर,उत्तराखण्ड

ग्राम थपलियालखेड़ा में विद्युतीकरण की राह हुई आसान

चम्पावत। टनकपुर अंतर्गत ग्राम थपलियालखेड़ा में लंबे समय से लंबित विद्युतीकरण कार्य को लेकर मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशानुसार शासन स्तर पर महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। ग्रामीणों को शीघ्र विद्युत सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विद्युत वितरण खंड, उत्तराखंड पावर कॉर्पोरेशन द्वारा प्रस्तावित विद्युतीकरण कार्यों हेतु 0.105 हेक्टेयर वन भूमि के गैर-वानिकी उपयोग के लिए प्रत्यावर्तन संबंधी प्रस्ताव भारत सरकार को प्रेषित कर दिया गया है। इसके साथ ही उत्तराखंड शासन के अपर सचिव द्वारा पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार से वन (संरक्षण) अधिनियम, 1980 के अंतर्गत प्रस्ताव को शीघ्र स्वीकृति प्रदान किए जाने का अनुरोध भी किया गया है, ताकि परियोजना को समयबद्ध रूप से धरातल पर उतारा जा सके। जिलाधिकारी श्री मनीष कुमार ने विद्युत एवं वन विभाग के अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए सभी आवश्यक औपचारिकताओं को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि भारत सरकार से स्वीकृति प्राप्त होते ही मौके पर विद्युतीकरण कार्य प्रारंभ कर दिया जाएगा। जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद के दूरस्थ एवं सीमांत क्षेत्रों तक निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने बताया कि ग्राम थपलियालखेड़ा में वन भूमि से संबंधित तकनीकी प्रक्रिया के कारण कार्य लंबित था, जिसे शासन के सहयोग से अब तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है।

'जय माता दी' 'जय बाबा
श्री गोस्वामी आश्रम के वार्षिक उत्सव के उपलक्ष में
श्री बालाजी दरबार
स्थानः- श्री गोस्वामी आश्रम, सूरजपुर नं० 1 गदरपुरं
दिनांकः 13 मई 2026 समयः रात्रि 8:30 बजे से
निवेदकः-विकास शर्मा, श्री नीलकंठ धाम चैरिटेबल ट्रस्ट, रूद्रपुर
एवं उत्तरांचल दर्पण परिवार, संपर्क सूत्र 8439733314,8272020006,9897545454

कृष्णापुर में खतरनाक बोल्डरों के निस्तारण के लिए विशेषज्ञ एजेंसी करेगी काम : दीपक

कुमाऊं आयुक्त ने स्थलीय निरीक्षण कर सफाई में लापरवाही पर वेतन काटने के दिए निर्देश

नैनीताल (उद संवाददाता)। कुमाऊं आयुक्त दीपक रावत ने मंगलवार को जनपद के कृष्णापुर क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण कर भूस्खलन और पहाड़ी से गिरते बोल्डरों की स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने स्थानीय नागरिकों की समस्याएं सुनीं और विभागीय अधिकारियों को मौके पर ही त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। आयुक्त ने स्पष्ट किया कि पहाड़ी पर अटके विशाल बोल्डरों को केवल जाल से रोकना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनका सुरक्षित निस्तारण अनिवार्य है।आयुक्त ने बताया कि सिंचाई विभाग द्वारा बोल्डरों को रोकने के प्रयास नाकाफी साबित हुए हैं, जिससे हाल ही में वाहन भी क्षतिग्रस्त हुए। उन्होंने अपर जिलाधिकारी को निर्देश दिए कि स्लोप स्टेबलाइजेशन की विशेषज्ञ एजेंसी से वार्ता कर आधुनिक तकनीक से इन बोल्डरों को छोटे टुकड़ों में काटकर हटाया जाए। साथ ही उन्होंने क्षेत्र का भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण शीघ्र कराने के

आदेश दिए। पैदल मार्ग की जर्जर स्थिति पर नाराजगी जताते हुए आयुक्त ने सिंचाई विभाग को तत्काल मरम्मत करने और सुरक्षा के लिए रेलिंग लगाने के निर्देश दिए।भ्रमण के दौरान स्थानीय लोगों ने कुमाऊं यूनिवर्सिटी के कृषि विज्ञान विभाग से पुराना कूड़ा खड्ड तक वैकल्पिक दोपहिया मार्ग निर्माण की मांग रखी, जिस पर आयुक्त ने लोनिवि को शीघ्र सर्वे कर प्रस्ताव तैयार करने को कहा। वहीं, क्षेत्र में गंदगी पाए जाने पर आयुक्त ने कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने नगर पालिका को नियमित सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कहा कि जो सफाई कर्मी ड्यूटी पर तैनात होने के बावजूद कार्य नहीं कर रहे हैं, उनका उस दिन का वेतन काटा जाए।आयुक्त दीपक रावत ने क्षेत्रवासियों को आश्वस्त किया कि भूस्खलन और मार्ग धंसने की समस्या का स्थायी समाधान उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि किसी भी समस्या की स्थिति में वे सीधे उन्हें फोन पर सूचित कर सकते हैं। निरीक्षण के दौरान सिंचाई विभाग के मुख्य अभियंता संजय शुक्ला, लोनिवि के मुख्य अभियंता पीएस बृजवाल, अपर जिलाधिकारी सौरभ असवाल, उपजिलाधिकारी नवाजिश खलिक सहित पुलिस क्षेत्राधिकारी अंजना नेगी और अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

चार और निजी विद्यालयों को कारण बताओ नोटिस

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। जिलाधिकारी नैनीताल ललित मोहन रयाल के निर्देशों पर मुख्य शिक्षा अधिकारी गोविंद राम जायसवाल ने सख्त रुख अपनाते हुए जनपद के 04 और निजी विद्यालयों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। इससे पहले हल्द्वानी, लालकुआं, भीमताल, भवाली और रामनगर के 101 स्कूलों को नोटिस भेजे जा चुके हैं, जिसके बाद अब नोटिस प्राप्त करने वाले स्कूलों की कुल संख्या 105 पहुंच गई है।ताजा कार्रवाई की जद में आए विद्यालयों में माउंट कार्मल सेरा स्कूल लामाचौड़, हैप्पी स्टेप्स स्कूल देवलचौड़, एवर ग्रीन सीनियर सेकेंडरी स्कूल बेरीपड़ाव और लेक्स इंटरनेशनल स्कूल भीमताल शामिल हैं। जांच में सामने आया है कि ये विद्यालय एनसीईआरटी पुस्तकों के स्थान पर निजी प्रकाशकों की महंगी पुस्तकें अनिवार्य कर अभिभावकों पर आर्थिक बोझ डाल रहे थे। इसके अलावा विशिष्ट विक्रेताओं से ही सामग्री खरीदने का दबाव बनाने और वेबसाइट पर अनिवार्य सूचनाएं सार्वजनिक न करने जैसे गंभीर आरोप भी प्रकाश में आए हैं।यह कार्रवाई शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 और उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 के तहत की जा रही है। मुख्य शिक्षा अधिकारी ने संबंधित स्कूलों को 15 दिन के भीतर संशोधित पुस्तक सूची जारी करने और किसी भी विक्रेता विशेष की बाध्यता समाप्त करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही स्कूलों को आदेश दिया गया है कि वे वेबसाइट पर शुल्क संरचना सार्वजनिक करें और अभिभावकों द्वारा खरीदी गई अनावश्यक पुस्तकों का पैसा वापस करें या उसे आगामी फीस में समायोजित करें।जिलाधिकारी के निर्देश पर विकासखंड स्तरीय संयुक्त जांच समिति गठित कर दी गई है, जो 15 दिनों में अपनी विस्तृत आख्या प्रस्तुत करेगी। नोटिस में स्पष्ट चेतावनी दी गई है कि यदि निर्धारित समयसीमा में आदेशों का अनुपालन नहीं किया गया, तो स्कूलों की मान्यता निलंबन या निरस्तीकरण सहित कठोर दंडात्मक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

सीएम धामी ने कामाख्या मंदिर में की पूजा अर्चना

गुवाहाटी (उद संवाददाता)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को असम के गुवाहाटी स्थित प्रसिद्ध कामाख्या देवी मंदिर में दर्शन कर विधिवत पूजा अर्चना की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने मां कामाख्या से प्रदेशवासियों के सुख समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की।मुख्यमंत्री धामी ने देवभूमि उत्तराखंड की निरंतर प्रगति, विकास और खुशहाली के लिए भी प्रार्थना की। उन्होंने मंदिर परिसर में धार्मिक

अनुष्ठान में सहभाग करते हुए प्रदेश की उन्नति एवं जनकल्याण की मंगलकामना की। सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग द्वारा जारी प्रेस नोट के अनुसार मुख्यमंत्री के दौरे के दौरान स्थानीय प्रशासन एवं मंदिर समिति के पदाधिकारी भी मौजूद रहे।

स्वरोजगार अपनाकर आत्मनिर्भर बनें महिलाएं: प्रियंका

बड़ौदा आरसेटी में 31 दिवसीय टेलर वूमेंस गारमेंट्स प्रशिक्षण शुरू

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। बैंक ऑफ बड़ौदा आरसेटी हल्द्वानी द्वारा संचालित 31 दिवसीय टेलर वूमेंस गारमेंट्स प्रशिक्षण कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन मंगलवार को कुंवरपुर, गौलापार स्थित संस्थान परिसर में किया गया। इस कार्यक्रम में जिले की 33 महिलाओं और 2 पुरुष प्रतिभागियों सहित कुल 35 संभ्रांत प्रशिक्षु भाग ले रहे हैं।प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि जिला सेवायोजन अधिकारी प्रियंका गड़िया, खंड विकास अधिकारी तनवीर असगर, सहायक खंड विकास अधिकारी प्रदीप कुमार पंत, मुख्यमंत्री उदयमशाला योजना के दीपक जोशी, आरसेटी फैकल्टी नरेंद्र

सिंह पिलखवाल और एफएलसी काउंसलर सुरेश कुमार बिष्ट ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया।इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रियंका गड़िया ने प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए कहा कि वे इस प्रशिक्षण को पूरी तल्लीनता और अनुशासन के साथ सीखें। उन्होंने जोर दिया कि महिलाएं प्राप्त कौशल का उपयोग कर स्वरोजगार से जुड़ें और आत्मनिर्भर बनकर अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत करें। खंड विकास अधिकारी तनवीर असगर ने प्रशिक्षुओं को निरंतर अभ्यास का मंत्र दिया। उन्होंने कहा कि परफेक्शन केवल अभ्यास से आता है, इसलिए सीखे गए हुनर को रोजगार में बदलकर अपनी पहचान बनाएं।संस्थान के निदेशक ने आरसेटी की गतिविधियों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि ग्रामीण विकास मंत्रालय एवं उत्तराखंड सरकार के तत्वाधान में बैंक ऑफ बड़ौदा द्वारा यह संस्थान 2011 से संचालित है। यहाँ 18 से 50 वर्ष की आयु के स्वरोजगार इच्छुक व्यक्तियों को निःशुल्क एवं आवासीय प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। कार्यक्रम के दौरान आरसेटी फैकल्टी एवं काउंसलर्स ने भी सभी प्रशिक्षुओं के उज्जवल भविष्य की कामना की।

सीवर टैंक वाहनों में जीपीएस लगाना अनिवार्य : सीडीओ

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। जिला गंगा समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में लेते हुए मुख्य विकास अधिकारी दिवेश शाशनी ने नगर निकायों को निर्देश दिए कि जनपद में शत-प्रतिशत सरकारी व निजी सीवर टैंक वाहनों में जीपीएस अवश्य लगवाएं व उनकी निगरानी भी करें। उन्होंने कहा कि जो निजी सीवर टैंक वाहन पंजीकरण न कराकर कार्य कर रहे हैं उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए उन्हें सीज किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि सीवर टैंक वाहन एसटीपी प्लांट में ही सीवर डालें, अन्य जगह सीवर डालने वालों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएं।मुख्य विकास अधिकारी ने नगर आयुक्त नगर निगम काशीपुर व अधिशासी अधिकारी नगर पालिका किच्छा को एक माह के भीतर कूड़ा निस्तारण कराने और फोटोग्राफ भी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि लिगेसी वेस्ट का नियमित निस्तारण कराते रहें और कहीं भी कूड़ा डम्प न किया जाए। उन्होंने खटीमा में एफएसटीपी प्लांट लगाने हेतु अधिशासी अभियंता पेयजल

निगम को स्टीमेट बनाकर शासन को पत्र भेजने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ने जिला पंचायतराज अधिकारी को सख्त निर्देश दिए कि ग्राम पंचायतों में कूड़ा निस्तारण हेतु 15 दिन के भीतर नगर निकायों से ओएमयू कराकर अवगत कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने ग्राम पंचायतों से निकलने वाले कूड़े को नजदीकी निकायों में भेजने के निर्देश डीपीआरओ को दिए। क्षेत्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड अधिकारी को निर्देशित किया गया कि औद्योगिक संस्थानों में नियमित निरीक्षण करें और बिना ट्रीट किए पानी यदि कोई नदी या नालों में डालता है तो उसके खिलाफ कार्रवाई सुनिश्चित करें। इसके साथ ही प्राइवेट व सरकारी चिकित्सालयों से प्रतिदिन निकलने वाले बायोमेडिकल वेस्ट का मानकों के अनुसार निस्तारण कराने के निर्देश मुख्य चिकित्साधिकारी को दिए। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को नमामि गंगे व एनजीटी के गाइड लाइनों का अनुपालन करने के निर्देश दिए।बैठक में डीएफओ यूसी तिवारी, अधिशासी अभियंता पेयजल निगम सुनील जोशी, एसीएमओ डॉ डीपी सिंह, क्षेत्रीय अधिकारी प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड एसपी सिंह, सहायक नगर आयुक्त काशीपुर शालनी नेगी, राजू नबियाल, अधिशासी अधिकारी नगर निकाय गुरमीत सिंह, प्रियंका रैकवाल, प्रतिभा कोहली, एके गुप्ता, दीपक कुमार शर्मा, मनोज दास, राकेश कोटिया, संजय कुमार, राजकुमार भारती और नामित सदस्य डॉ आशुतोष पंत मौजूद थे।

श्री पंचमुखी हनुमान बालाजी मंदिर में हुआ बालाजी का गुणगान

रुद्रपुर (उद संवाददाता) ज्येष्ठ माह के द्वितीय मंगलवार के पावन अवसर पर श्री पंचमुखी हनुमान बालाजी मंदिर, गल्ला मंडी में श्री बालाजी दरबार का आयोजन भक्ति एवं धार्मिक उल्लास के साथ संपन्न हुआ। बाबा का मनोहारी एवं अलौकिक श्रृंगार श्रद्धालुओं के आकर्षण का प्रमुख केंद्र रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ मंदिर के पुजारी पंडित सुरेंद्र पाल शर्मा द्वारा विधि-विधान, वैदिक मंत्रोच्चारण एवं पूजा-अर्चना के साथ किया गया। इसके पश्चात भव्य महाआरती में मंदिर परिसर घंटों, शंखध्वनि एवं जयकारों से गुंजायमान हो उठा।प्रसिद्ध भजन गायकों एवं बाबा भक्त कलाकारों ने अपने मधुर भजनों की प्रस्तुतियों से ऐसा समां बांधा कि श्रद्धालु देर रात तक भक्ति में झूमते रहे। "मेहंदीपुर वाले बाबा", "तेरा दरबार बड़ा निराला" एवं अन्य भक्तिमय प्रस्तुतियों पर श्रद्धालु भावविभोर होकर नृत्य करते नजर आए। इस पावन अवसर पर भाजपा नेता प्रमोद मित्तल एडवोकेट अपने परिवार सहित श्री बालाजी महाराज के दरबार में पहुंचे तथा पूजा-अर्चना कर बाबा का आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने कहा कि श्री पंचमुखी हनुमान बालाजी मंदिर क्षेत्रवासियों की आस्था एवं विश्वास का प्रमुख आध्यात्मिक केंद्र बन चुका है। श्री बालाजी महाराज की असीम कृपा सदैव अपने भक्तों पर बनी रहती है जो भी श्रद्धालु सच्चे मन, पूर्ण विश्वास एवं श्रद्धा के साथ बाबा के दरबार में आता है, उसकी सभी मनोकामनाएं अवश्य पूर्ण होती हैं। इस दौरान गुलशन नारंग, गगन वाधवा, मनोज अरोड़ा, अक्षय नारंग, सर्वेश मौर्य, विनीत जैन, प्रिंस, अमन चावला, सौरभ गाबा, अशोक सक्सेना, राजू पाल, रजनीश यादव, अशोक राजपूत, जतिन नागपाल, अजय फुटेला, किशन लाल अरोड़ा, बिट्टू अग्रवाल, संजय गर्ग, सिवांश अग्रवाल, मनीष शर्मा, प्रियांशु यादव, आनंद भास्कर, रवि अग्रवाल एवं निखिल चंडोक सहित क्षेत्र के अनेक श्रद्धालु भक्तजन उपस्थित थे।महिला मंडली में श्रीमती रितु वाधवा, अनु वाधवा, अनु

अरोड़ा, सीमा फुटेला, दिव्या मित्तल, रश्मि जैन, दीपिका मित्तल एडवोकेट, डॉ. दीप्ति वर्मा, पूजा मित्तल, शिवांगी गर्ग, ज्योति गर्ग सहित अन्य महिलाओं ने भजन गायन में सहभागिता की। अंत में सभी श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण किया गया।

जिला प्रशिक्षण में कार्यकर्ताओं को दिया संगठन का मंत्र

भाजपा का पंडित दीनदयाल प्रशिक्षण महा अभियान संपन्न,बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने पर रहा जोर

हल्द्वानी। भजपा का पंडित दीन दयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महा अभियान 2026 का दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर मंगलवार को द कासा ड्रीम रिसोर्ट रामगढ़ में विधिवत संपन्न हो गया। प्रशिक्षण शिविर के दूसरे दिन विभिन्न सत्रों में कार्यकर्ताओं को संगठनात्मक विषयों पर विस्तार से प्रशिक्षण दिया गया। अभियान का उद्देश्य कार्यकर्ताओं को वैचारिक रूप से सशक्त बनाना और संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करना बताया गया।प्रशिक्षण शिविर के दूसरे दिवस के प्रथम सत्र को संबोधित करते हुए प्रदेश महामंत्री दीप्ति भारद्वाज ने भाजपा के विस्तार और संगठनात्मक कार्यप्रणाली पर विस्तृत जानकारी दी। सत्र की अध्यक्षता जिला पंचायत अध्यक्ष दीपा दरमवाल ने की।द्वितीय सत्र में प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य सुभाष बगोली ने मुख्य वक्ता के रूप में कार्यकर्ताओं को व्यवहारिकता के साथ संगठनात्मक कार्यों पर ध्यान केंद्रित करने का संदेश दिया। इस सत्र की अध्यक्षता दर्जा मंत्री दिनेश आर्य ने की।तीसरे सत्र में प्रदेश सह सोशल मीडिया संयोजक गांधार अग्रवाल ने वर्तमान समय में सोशल मीडिया की उपयोगिता और उसकी प्रभावशीलता पर प्रकाश डाला। सत्र की अध्यक्षता प्रदेश किसान मोर्चा अध्यक्ष महेंद्र नेगी ने की।चतुर्थ सत्र में दर्जा राज्यमंत्री विनोद सुयाल ने मीडिया प्रबंधन विषय पर कार्यकर्ताओं को विस्तार पूर्वक जानकारी दी। इस सत्र की अध्यक्षता प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य देवेंद्र ढेला ने की।समापन सत्र को संबोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री राम सिंह कैड़ा ने केंद्र और उत्तराखंड सरकार द्वारा सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास के मंत्र के साथ किए जा रहे विकास कार्यों की जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार जनहित और विकास के एजेंडे पर लगातार कार्य कर रही है। समापन सत्र की अध्यक्षता भाजपा जिला अध्यक्ष प्रताप सिंह बिष्ट ने की।समापन सत्र में जिला प्रभारी खिलेंद्र चौधरी और प्रशिक्षण के जिला संयोजक एवं जिला महामंत्री रंजन बर्गली ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए सभी प्रतिभागियों का आभार जताया। दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में जिला सह संयोजक नितिन राणा, प्रगति जैन, दयाकिशन पोखरिया, वर्ग नियंत्रक के रूप में जिला महामंत्री विनीत अग्रवाल, जिला मंत्री कुंदन चिलवाल, अरविंद पडियार, जिला उपाध्यक्ष नवीन भट्ट, प्रतिभा जोशी, जिला सह मीडिया संयोजक विनोद तिवारी, प्रदर्शनी संयोजक रत्नेश साह, जिला सह सोशल मीडिया एवं आईटी संयोजक अमित चौधरी ने डिजिटल माध्यम से प्रशिक्षण आयोजन में सहयोग किया।प्रशिक्षण शिविर के समापन अवसर पर कालाढूंगी विधायक बंशीधर भगत, प्रशिक्षण अभियान के प्रदेश सह संयोजक प्रदीप बिष्ट, पूर्व हल्द्वानी नगर निगम अध्यक्ष जोगिंदर रौतेला, दर्जा राज्यमंत्री, नगर निगम अध्यक्ष, ब्लॉक प्रमुख, जन प्रतिनिधि, प्रदेश पदाधिकारी, प्रदेश मोर्चों के पदाधिकारी, जिला पदाधिकारी, जिला मोर्चा पदाधिकारी, प्रकोष्ठ पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, मंडल महामंत्री, पूर्व प्रदेश पदाधिकारी, पूर्व जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ता थे।

श्री सनातन धर्म कन्या महाविद्यालय में छात्राओं का हुआ विदाई समारोह

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। श्री सनातन धर्म कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में छात्राओं के द्वारा अपनी सीनियर तृतीय वर्ष की छात्राओं को भव्य एवं भावपूर्ण विदाई दी गई। विभिन्न छात्राओं ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किये। कु० नेहा बी०ए० द्वितीय वर्ष, कु० गुनीत बी०ए० प्रथम वर्ष की छात्रा ने सफल रूप से कार्यक्रम का संचालन

किया। बी०ए० तृतीय वर्ष की छात्रा कु० भावना ने मिस फेयरवेल का खिताब जीता। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ० शिल्पा सिंघल ने छात्राओं को परीक्षा से सम्बन्धित दिशा–निर्देश दिये। तथा उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।इस अवसर पर समस्त स्टाफ डॉ० ज्योति अरोरा, डॉ० चम्पा जग्गा डॉ० रजनी गुलाटी, डॉ०रेखा, डॉ० प्रेरणा, डॉ० नेहा,डॉ० भावना, डॉ० विद्या डॉ० नीतू, कु० गुंजन, श्रीमती सोनिया, कु० आँचल एवं समस्त छात्राएँ उपस्थित रही।

सीतावनी में पहली बार होगी 'श्रीजानकी कथा',सीएम करेंगे शिरकत

रामनगर। देवभूमि उत्तराखंड के पाटकोट रेंज स्थित पावन भूमि सीतावनी एक ऐतिहासिक धार्मिक आयोजन की साक्षी बनने जा रही है। नैनीताल उधमसिंहनगर लोकसभा सांसद अजय भट्ट ने रामनगर फारेस्ट गेस्ट हाउस में प्रेस वार्ता के दौरान घोषणा की कि आगामी 16 मई को सीतावनी में पहली बार श्रीजानकी कथा का आयोजन किया जाएगा। इस भव्य कार्यक्रम में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी विशेष रूप से शामिल होंगे।सांसद अजय भट्ट ने बताया कि यह आयोजन रामायण रिसर्च काउंसिल के तत्वावधान में किया जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य मां सीता के प्रेरणादायी जीवन, त्याग, धैर्य और नारी शक्ति के आदर्शों को जन–जन तक पहुँचाना है। उन्होंने जानकारी दी कि काउंसिल ने दिल्ली में आयोजित बैठक में संकल्प लिया था कि श्रीजानकी कथा को पूरे देश के हर गांव तक पहुँचाया

जाएगा और इस अभियान का नेतृत्व उन्हें सौंपा गया है। काउंसिल के अध्यक्ष महामंडलेश्वर स्वामी सांदीपेंद्र महाराज के शिष्य 12 वर्षीय बाल व्यास वैदेही नंदन वेदांत इस पहली कथा का वाचन करेंगे। सीतावनी का चयन इसलिए किया गया क्योंकि यह स्थल रामायण काल से जुड़ा है और मां सीता को समर्पित एक पवित्र स्थान है।प्रेस वार्ता में अजय भट्ट ने कहा कि मां सीता नारी शक्ति, धैर्य और मर्यादा की सर्वोच्च प्रतीक हैं। आज के समाज को उनके जीवन से प्रेरणा लेने की आवश्यकता है ताकि महिलाओं के सम्मान और आत्मनिर्भरता को नई दिशा मिल सके। उन्होंने कहा कि मां सीता ने हर परिस्थिति में एक आदर्श प्रस्तुत किया है और उनके पदचिन्हों पर चलकर ही सशक्त और संस्कारित राष्ट्र का निर्माण संभव है।अजय भट्ट ने बताया कि इस अभियान को राष्ट्रीय स्तर पर विस्तार देने के लिए जल्द ही सीता सखी समिति का गठन किया जाएगा, जिससे देशभर की महिलाओं को जोड़ा जाएगा। उन्होंने बताया कि रामायण रिसर्च काउंसिल वर्ष 2020 से बिहार के सीतामढ़ी स्थित मां सीता के प्राकट्य क्षेत्र को शक्ति क्षेत्र के रूप में विकसित करने के लिए कार्य कर रही है। उन्होंने गृह मंत्री अमित शाह का आभार जताते हुए कहा कि उनके सहयोग से पुनौरा धाम में मां सीता के भव्य मंदिर निर्माण की आधारशिला रखी गई है। काउंसिल को सीतामढ़ी में 834 वर्ष पुराने श्रीरामजानकी मठ की लगभग 12 एकड़ भूमि भी आवंटित की गई है, जहां धार्मिक एवं सांस्कृतिक केंद्र विकसित किया जाएगा। इसके साथ ही काउंसिल संस्कृत भाषा के प्रचार प्रसार और डिजिटल रामलीला जैसे सांस्कृतिक अभियानों पर भी लगातार कार्य कर रही है।

हृदय रोग से ग्रसित बच्चों हेतु विशेष जांच शिविर आयोजित

रुद्रपुर। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन मे राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत हृदय रोग से ग्रसित बच्चों हेतु विशेष जांच शिविर का आयोजन जिला शीघ्र हस्तक्षेप केंद्र में आयोजित किया गया। शिविर का मुख्य उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों को गंभीर हृदय रोगों के उपचार हेतु विशेषज्ञ परामर्श उपलब्ध कराना था। शिविर में जनपद के कुल 25 बच्चों ने प्रतिभाग किया। इन बच्चों को आर.बी.एस.के. की मोबाइल हेल्थ टीमों द्वारा जिले के विभिन्न क्षेत्रों से चिन्हित किया गया था। वरिष्ठ कार्डियक सर्जन डॉ. विकास सिंह द्वारा सभी बच्चों का

गहन परीक्षण एवं स्क्रीनिंग की गई। जांच के उपरांत जिन बच्चों में गंभीर समस्या पाई गई और जिन्हें शल्य चिकित्सा की आवश्यकता है, उन्हें आगे के उपचार और निशुल्क ऑपरेशन के लिए चंदन हॉस्पिटल हेतु रेफर किया गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. के. के. अग्रवाल ने बताया कि जन्मजात हृदय रोग जैसी गंभीर बीमारियों का समय पर पता लगाना और उनका उपचार करना विभाग की प्राथमिकता है। विशेषज्ञों के सहयोग से इन बच्चों को अब उच्च स्तरीय चिकित्सा सुविधा प्राप्त हो सकेगी, जिससे उन्हें नया जीवन मिल सकेगा।इस अवसर पर अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ डी पी सिंह, डी. पी. एम. हिमांशु मुस्यूनी, श्रवण कुमार, जावेद, पूरन, आमिर, आजम अंसारी, बी पी जोशी, संजय, पारुल, प्रियंका, प्रेमा और हॉस्पिटल का स्टाफ उपस्थित रहा।

सनातन कन्या महाविद्यालय में हुआ सुंदरकाण्ड का पाठ

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। छात्राओं के उज्जवल भविष्य एवं शत प्रतिशत परीक्षा परिणाम हेतु श्री सनातन धर्म कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में पवित्र सुन्दरकाण्ड का पाठ पुष्पेन्द्र शास्त्री के द्वारा किया गया। इस अवसर पर शास्त्री जी ने अपने सुविचार से छात्राओं को अवगत कराया व उनको अच्छे भविष्य के लिए अपना आर्शीवाद दिया। इस अवसर पर महाविद्यालय की कार्यकारिणी प्रबन्धक कमेटी ओम प्रकाश अरोरा, विजय जग्गा, विजय मिडडा, विजय विरमानी भी उपस्थित रहे। प्राचार्या डॉ० शिल्पा सिंघल ने छात्राओं को अपने ज्ञान को बढाने व अच्छे नम्बर लाने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर समस्त स्टाफ डॉ० ज्योति अरोरा, डॉ० चम्पा जग्गा, डॉ० रजनी गुलाटी डॉ०रेखा, डॉ० प्रेरणा, डॉ० नेहा, डॉ० भावना, डॉ० विद्या, डॉ० नीतू, कु० गुंजन, श्रीमती सोनिया, कु० आँचल एवं समस्त छात्राएँ उपस्थित रही।

भक्तिभाव के साथ सजा श्री बालाजी महाराज का भव्य दरबार

रूद्रपुर। श्री बालाजी मंडल दिनेशपुर के महंत गौरव अग्रवाल पुत्र स्वर्गीय राजेंद्र अग्रवाल के सान्निध्य में श्री बालाजी महाराज का विशाल एवं भव्य दरबार अजय जायसवाल के निवास स्थान, इंद्रा कॉलोनी गली नंबर 5 में बड़े ही श्रद्धाभाव एवं भक्ति भावना के साथ सजाया गया। दरबार में दूर दराज से हजारों की संख्या में श्रद्धालु एवं बाबा भक्त पहुँचे, जिन्होंने श्री बालाजी महाराज के दिव्य दर्शनों का लाभ प्राप्त कर बाबा का गुणगान किया। कार्यक्रम का आरम्भ हनुमान चालीसा, "आज मंगलवार है महावीर का वार है" भजन एवं श्री प्रेतराज सरकार की आरती के साथ किया गया। पूरे दरबार में जय श्री राम एवं जय श्री बालाजी के जयकारों से वातावरण गूंज उठा। श्रद्धालु भजन कीर्तन एवं संकीर्तन में भाव विभोर होकर शामिल

हुए तथा बाबा की भक्ति में लीन नजर आए। महंत गौरव अग्रवाल के दरबार में पहुँचने पर भक्तों द्वारा फूल मालाएँ पहनाकर उनका भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर उन्होंने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि श्री बालाजी महाराज अपने भक्तों की सच्ची श्रद्धा एवं विश्वास से प्रसन्न होकर उनकी सभी मनोकामनाएँ पूर्ण करते हैं। उन्होंने धर्म एवं सेवा के मार्ग पर चलने का संदेश भी दिया।संबोधन के पश्चात भक्तों ने दूत महाराज से आशीर्वाद प्राप्त किया, जिसके उपरांत श्री बालाजी महाराज एवं भैरव बाबा की विधिवत आरती संपन्न की गई। आरती के पश्चात श्रद्धालुओं को पवित्र छींटे दिए गए तथा बाबा को विधि विधान के साथ भोग अर्पित किया गया। दरबार में धूपड़े की सेवा मंडल के वरिष्ठ बाबा भक्त मनजीत सलूजा द्वारा दी गई। देर रात तक चले इस धार्मिक आयोजन में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ प्राप्त किया। आयोजन को सफल बनाने में श्री बालाजी मंडल दिनेशपुर के सदस्यों एवं क्षेत्रवासियों का विशेष सहयोग रहा। इस अवसर पर वरिष्ठ बाबा भक्त खैरात कुमार, बिट्टू ग्रोवर, विजय चलाना, वरिष्ठ समाजसेवी संजय ठुकराल, आयुष अरोड़ा, हरिचरण सिंह, सुरेश मित्तल, जयप्रकाश गर्ग, शिवकुमार, संजय अग्रवाल, राजेश अग्रवाल, सतीश सागर, सीए विशाल अग्रवाल, राम अवतार गुप्ता, सीए हेमंत अरोड़ा, अंटू रस्तोगी, सौरभ अग्रवाल, उमा शंकर कश्यप, मनीष गोयल, सत्यम जायसवाल, शिवम जायसवाल, सुन्दरम जायसवाल, सुनील गर्ग, शैलेश मित्तल, एडवोकेट सौरभ अग्रवाल, राधेश्याम, लवी अरोड़ा, बिट्टू अरोड़ा, विशाल मदान, मदनलाल खन्ना, सुनील कुमार, वैभव गंगनेजा, सचिन मुरली, भजन गायक अंकुर भटनागर, धर्मवीर चौधरी, भगवान दास चौधरी, दीपक कालरा, कन्हैया लाल, विनोद गर्ग, मोहित नारंग, नितिन सागर,मनोज कुमार,अमन श्रीवास्तव, सोनू कोली आदि उपस्थित रहे।

उत्तरांचल दर्पण सम्पादकीय

सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

पेपर लीक का सिलसिला

देश भर में हर साल लाखों विद्यार्थी इंजीनियरिंग और मेडिकल प्रवेश परीक्षा के लिए कड़ी मेहनत करते हैं। मगर उनकी उम्मीदें तब धुंधली पड़ जाती हैं। इस बार भी मेडिकल प्रवेश परीक्षा 'नीट-यूजी-2026' में पर्चाफोड़ के गंभीर आरोप लगे हैं, जिस कारण राष्ट्रीय परीक्षा एजंसी (एनटीए) ने तीन मई को आयोजित परीक्षा को रद्द कर दिया है। साथ ही इस मामले की जांच सीबीआइ को सौंप दी गई है। सवाल है कि इस तरह की प्रवेश परीक्षाओं में बार-बार गड़बड़ियों के मामले सामने क्यों आ रहे हैं? एनटीए का दावा है कि प्रश्नपत्र तैयार करने से लेकर उसे संबंधित परीक्षा केंद्र तक पहुंचाने में पूरी गोपनीयता बरती जाती है और जरूरी सुरक्षा मानदंडों का भी कड़ाई से पालन किया जाता है, फिर क्या वजह है कि परीक्षा से पहले ही प्रश्नपत्र चुनिंदा विद्यार्थियों तक पहुंच जाता है! आखिर एनटीए और जांच एजंसियां उस सिरे को क्यों नहीं ढूंढ पा रही हैं, जिसकी वजह से इस तरह की गड़बड़ियों का सिलसिला जारी है। गौरतलब है कि यह पहली बार नहीं है, जब एनटीए की ओर से आयोजित की जाने वाली किसी प्रवेश परीक्षा में गड़बड़ी के गंभीर आरोप लगे हैं। पिछले कुछ वर्षों से इस तरह के कई मामले सामने आ चुके हैं। वर्ष 2024 में नीट की परीक्षा देने वाले कुछ अभ्यर्थियों ने शिकायत की थी कि उन्हें दूसरी भाषा के प्रश्नपत्र दिए गए।इसके बाद एनटीए की ओर से क्षतिपूर्ति के तौर पर प्रभावित परीक्षार्थियों को दिए गए कृपांक को लेकर भी गंभीर सवाल उठे थे। इससे पहले वर्ष 2021 में भी कुछ छात्रों को गलत प्रश्नपत्र दिए जाने और कई केंद्रों पर परीक्षा में अनुचित साधनों के उपयोग की शिकायतों से विवाद हुआ था। सरकार ने वर्ष 2018 में एनटीए की स्थापना की थी। इसका उद्देश्य विभिन्न विश्वविद्यालयों और संस्थानों में स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए राष्ट्रीय स्तर की पात्रता परीक्षाएं आयोजित करना है, जिनमें नीट, जेईई, यूजीसी और नेट भी शामिल हैं।दरअसल, प्रवेश परीक्षाओं की प्रक्रिया को पारदर्शी, कुशल और निष्पक्ष बनाना एनटीए की बुनियादी प्राथमिकता है। मगर, इनमें जिस तरह से एक के बाद एक विसंगतियां सामने आ रही हैं, उससे इस एजंसी की कार्यप्रणाली पर सवाल उठना स्वाभाविक है। नीट यूजी 2026 परीक्षा में करीब 23 लाख विद्यार्थी शामिल हुए थे। एनटीए का दावा है कि इस परीक्षा के लिए प्रश्नपत्र तैयार करने में पूरी गोपनीयता बरती गई और इन्हें 'जीपीएस-ट्रैकिंग' वाले वाहनों में ले जाया गया था। परीक्षा केंद्रों की निगरानी एक केंद्रीय नियंत्रण कक्ष से एआइ-सहायता प्राप्त सीसीटीवी के माध्यम से की गई थी। सुरक्षा के इन तमाम प्रबंधों के बावजूद अगर प्रश्नपत्र परीक्षा से पहले ही कुछ विद्यार्थियों तक पहुंच जाता है, तो यह वास्तव में बहुत ही गंभीर मसला है। जाहिर है कि परीक्षा के आयोजन से संबंधित संस्था और अन्य संगठनों की पर्चाफोड़ माफिया से मिलीभगत के बिना यह संभव नहीं हो सकता। सरकार को इस बात पर गंभीरता से विचार करना होगा कि विद्यार्थी इन परीक्षाओं के लिए कितनी मेहनत करते हैं, महंगी कोचिंग के लिए कई परिवार तो अपनी जमीन गिरवी रख देते हैं, तो कोई बैंक से कर्ज लेता है। इसलिए जरूरी है कि प्रवेश परीक्षाओं में गड़बड़ियों पर रोक लगाने के लिए कड़े कदम उठाए जाएं, ताकि विद्यार्थियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ न हो।

मातृ दिवस पर बच्चों ने प्रस्तुतियों से जीता सबका दिल

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। आरएएन पब्लिक स्कूल में मातृ दिवस के उपलक्ष्य में कक्षा तृतीय के विद्यार्थियों द्वारा भावपूर्ण सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विषय मां हर दिल का एहसास रखा गया, जिसने उपस्थित अतिथियों और अभिभावकों के हृदय को भावुक कर दिया। बच्चों ने गीत, नृत्य और नाट्य प्रस्तुतियों के माध्यम से मां के त्याग, प्रेम और ममता को सुंदर ढंग से प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर विद्यालय के चेयरमैन विंग कमांडर एचके राय, निदेशक मोहित राय, प्रशासक निधि राय, मधु मैम तथा कक्षा तृतीय के विद्यार्थियों के अभिभावक उपस्थित रहे। सभी अतिथियों का स्वागत विद्यालय की प्राचार्या मुक्ता शर्मा ने किया। अपने स्वागत संबोधन में प्राचार्या मुक्ता शर्मा ने कहा कि मां ही हमारी पहली गुरु होती है। उन्होंने कहा कि भगवान हर जगह नहीं हो सकते, इसलिए उन्होंने मां को बनाया। मां ही वह व्यक्तित्व है जो हमें इस संसार में लाती है और हमारे जीवन का आधार बनती है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपने माता पिता का सम्मान करने और उनके संस्कारों को जीवन में अपनाने का संदेश दिया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने रंगारंग प्रस्तुतियों के माध्यम से मां के महत्व और उसके निस्वार्थ प्रेम को दर्शाया। बच्चों की मासूम और भावपूर्ण प्रस्तुतियों ने दर्शकों को भावुक कर दिया और सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। इस अवसर पर प्रशासक निधि राय ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन में मिलने वाली प्रत्येक सफलता के पीछे माता पिता विशेषकर मां के अथक प्रयास और त्याग छिपा होता है। उन्होंने बच्चों को अपनी मां का सदैव सम्मान करने और उनके प्रति कृतज्ञ रहने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम के अंत में जूनियर विंग समन्वयक मनप्रीत कौर ने सभी अतिथियों और अभिभावकों का कार्यक्रम में अपना बहुमूल्य समय देने के लिए आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम ने सभी के मन में मां के प्रति प्रेम, सम्मान और कृतज्ञता की भावना को और अधिक प्रगाढ़ कर दिया।

लेगेसी वेस्ट के त्वरित निस्तारण के दिए निर्देश

चम्पावत (उद संवाददाता)। जनपद के समस्त नगर निकायों में नागरिक सुविधाओं, स्वच्छता व्यवस्था और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन को प्रभावी बनाने के उद्देश्य से जिलाधिकारी मनीष कुमार की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में नगर क्षेत्रों की सफाई, कूड़ा निस्तारण, स्ट्रीट लाइट, पेयजल और सॉलिड व लिक्विड वेस्ट मैनेजमेंट से जुड़े कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई।बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने ट्रेंचिंग ग्राउंड और कूड़ा निस्तारण की प्रगति देखते हुए सभी अधिशासी अधिकारियों को निर्देश दिए कि ट्रामेल मशीनों का संचालन शीघ्र प्रारंभ कराया जाए। उन्होंने नगर क्षेत्रों में नियमित सफाई अभियान चलाने और आवारा पशुओं को सड़कों से हटाकर सुरक्षित स्थानों पर रखने के निर्देश दिए। नगर पालिका परिषद लोहाघाट, टनकपुर एवं चम्पावत की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने लेगेसी वेस्ट और सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट के कार्यों में तेजी लाने पर जोर दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि एनजीटी से संबंधित प्रकरणों का समयबद्ध निस्तारण किया जाए और नियमों का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित हो।जिलाधिकारी ने नगरीय क्षेत्रों के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी ठोस अपशिष्ट प्रबंधन व्यवस्था लागू करने हेतु सभी खंड विकास अधिकारियों को गंभीरता से कार्य करने को कहा। उन्होंने नालियों की सफाई, झाड़ियों के कटान, स्ट्रीट लाइटों की मरम्मत और जलभराव की समस्या के समाधान के लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए। आगामी वर्षा ऋतु को देखते हुए उन्होंने सभी संवेदनशील स्थलों का निरीक्षण कर पूर्व में ही आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में रजत जयंती पार्क निर्माण कार्य की प्रगति की भी समीक्षा की गई और गुणवत्ता के साथ समयसीमा में कार्य पूर्ण करने को कहा गया।जिलाधिकारी ने डोर टू डोर कूड़ा संग्रहण व्यवस्था को प्रभावी बनाने, प्लास्टिक अपशिष्ट के पृथक्करण और जनजागरूकता अभियानों के माध्यम से नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी डॉ जी एस खाती, अपर जिलाधिकारी कृष्णनाथ गोस्वामी, अधिशासी अधिकारी भरत त्रिपाठी, दीपक बुदलाकोटी, ऋषभ उनियाल, सौरभ नेगी, कमल महरा सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

गूलरभोज में मारपीट व दहशत फैलाने के मामले में दो गिरफ्तार

गदरपुर। कोतवाली गदरपुर पुलिस ने मारपीट कर क्षेत्र में दहशत फैलाने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से घटना में प्रयुक्त एक नाजायज चाकू बरामद किया है। जानकारी के अनुसार 11 मई 2026 को ग्राम इटव्वा निवासी गुरदेव सिंह पुत्र स्व. रतन सिंह की तहरीर पर कोतवाली गदरपुर में मुकदमा संख्या 130/2026 धारा 115(2), 126(2), 351(2), 352 बीएनएस के तहत जगमीत सिंह व जिम्मी निवासी डलपुरा गूलरभोज के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हुआ था। मंगलवार को आरोपी जगमीत सिंह पुत्र सुखवंत सिंह निवासी डलपुरा गूलरभोज तथा जिम्मी उर्फ रमन कपूर पुत्र कुलदीप कुमार निवासी खेमपुर सेठवाला को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त एक नाजायज चाकू भी बरामद किया। आरोपियों के खिलाफ आयुध अधिनियम की धारा 4/25 सहित अन्य धाराओं में कार्रवाई की गई है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में पेश किया जाएगा, जबकि मामले में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। कार्रवाई करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक मेघा शर्मा (प्रभारी चौकी गूलरभोज), कांस्टेबल रघुवर सिंह तथा कांस्टेबल लक्ष्मण कुमार शामिल रहे।

स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में स्वीकृत हुए कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव

चम्पावत (उद संवाददाता)। जिलाधिकारी एवं अध्यक्ष जिला खनिज फाउण्डेशन न्यास मनीष कुमार की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में स्वास्थ्य, शिक्षा और जनसुविधाओं से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। जिलाधिकारी कार्यालय में हुई इस बैठक में खनन प्रभावित क्षेत्रों के विकास और वहां के निवासियों के कल्याण हेतु संचालित योजनाओं की समीक्षा की गई।बैठक में मुख्य चिकित्साधिकारी और मुख्य शिक्षा अधिकारी द्वारा प्रस्तुत प्रस्तावों पर चर्चा करते हुए जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि सभी योजनाओं में गुणवत्ता, पारदर्शिता और समयबद्धता का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने स्वीकृत धनराशि का प्रभावी उपयोग करने और कार्यों को निर्धारित समय में पूर्ण कर उपयोगिता प्रमाण पत्र जमा करने के निर्देश दिए। स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाए रखने के लिए जिले में तैनात एक्स-रे टेक्निशियन की नियुक्ति अवधि विस्तार के प्रस्ताव को भी मंजूरी प्रदान की गई।शिक्षा के क्षेत्र में ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों के छात्र-छात्राओं की सुगम शिक्षा हेतु परिवहन सुविधा से जुड़े कई बड़े निर्णय लिए गए। इसके तहत राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सुखीढांग के विद्यार्थियों के लिए धूरा, वयालधूरा, मथियाबांझ और चौड़ाकोट क्षेत्र से वाहन सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। राजकीय इंटर कॉलेज सुखीढांग के सिलाड़ क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए भी वाहन प्रस्ताव को स्वीकृति दी गई है। इसी प्रकार राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय विविल के लिए सिमलौदा, पन्थयूरा, भट्टाग, अगौड़ा और राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बापरू के छात्र-छात्राओं के लिए भी वाहन सुविधा को हरी झंडी दी गई।जिलाधिकारी मनीष कुमार ने कहा कि न्यास निधि का मुख्य उद्देश्य खनन प्रभावित क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं को मजबूत करना है। उन्होंने जोर दिया कि शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में जनहितकारी योजनाओं को प्राथमिकता दी जा रही है। बैठक में अपर जिलाधिकारी कृष्णनाथ गोस्वामी, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ देवेश चौहान, मुख्य शिक्षा अधिकारी मान सिंह, जिला खान अधिकारी राहुल रावत सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

एनएच-9 चौड़ीकरण को मिली रफ्तार

टनकपुर/चम्पावत (उद संवाददाता)। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जनपद चम्पावत की तहसील पूर्णागिरि (टनकपुर) के अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-9 के कि.मी. 38.00 से कि.मी. 52.200 तक सड़क चौड़ीकरण, रखरखाव और संचालन हेतु भूमि अधिग्रहण की औपचारिक प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इस महत्वपूर्ण परियोजना के अंतर्गत तहसील पूर्णागिरि के 12 राजस्व ग्रामख्र टनकपुर, ज्ञानखेड़ा, मोहनपुर, मोचाई/विचाई, मनिहार गोठ, देवरामपुर उर्फ सीतापुर, फागपुर, चन्दनी, भजनपुर, बमनपुरी, पचपकरिया एवं बनबसा सिटी को शामिल किया गया है। परियोजना के पूर्ण होने से क्षेत्र में यातायात व्यवस्था अधिक सुगम एवं सुरक्षित होगी, जिससे आवागमन और व्यापारिक गतिविधियों को नई गति मिलने की संभावना है। जिलाधिकारी मनीष कुमार ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि भूमि अधिग्रहण की संपूर्ण प्रक्रिया पूर्ण पारदर्शिता, संवेदनशीलता और समयबद्धता के साथ संपन्न की जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रभावित काश्तकारों के हितों का विशेष ध्यान रखा जाए और प्रत्येक प्रकरण का नियमानुसार निस्तारण सुनिश्चित हो। उप जिलाधिकारी एवं सक्षम प्राधिकारी भू-अधिग्रहण पूर्णागिरि विपिन चन्द्र पन्त ने बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग अधिनियम की धारा 3ए के अंतर्गत अधिसूचना का प्रकाशन 07 मई 2026 को भारत के राजपत्र में किया जा चुका है। इसके तहत 12 गांवों के कुल 235 खसरा नंबरों की 10.4089 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण प्रस्तावित है। उन्होंने बताया कि यदि किसी व्यक्ति को प्रस्तावित भूमि अर्जन अथवा उसके उपयोग को लेकर कोई आपत्ति है, तो वह अधिसूचना प्रकाशन की तिथि से 21 दिन के भीतर यानी 28 मई 2026 तक साक्ष्यों सहित लिखित आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सुनवाई से संबंधित सभी व्यवस्थाएं समय से पूर्ण कर ली जाएं। उन्होंने कहा कि तकनीकी एवं राजस्व संबंधी मामलों का त्वरित निस्तारण किया जाए ताकि आमजन एवं प्रभावित काश्तकारों को किसी भी प्रकार की अनावश्यक असुविधा का सामना न करना पड़े।

सीमावर्ती क्षेत्रों में त्वरित चिकित्सा सुविधा के दिए निर्देश

चम्पावत (उद संवाददाता)। जिला सभागार में जिलाधिकारी मनीष कुमार की अध्यक्षता में स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा एवं चिकित्सा प्रबंधन समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में जनपद की स्वास्थ्य सेवाओं, चिकित्सा व्यवस्थाओं, मानव संसाधन, दवाइयों की उपलब्धता और आपातकालीन सेवाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए निर्देश दिए कि स्वच्छकों के अनुबंध की प्रक्रिया अब जनपद स्तर से मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय के माध्यम से सुनिश्चित की जाए, ताकि व्यवस्था में पारदर्शिता और सुगमता बनी रहे। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी प्रस्ताव या कार्यवाही से पूर्व अनुमोदन से संबंधित सभी विवरण स्पष्ट रूप से प्रस्तुत किए जाएं। जिलाधिकारी ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में चिकित्सकों और कर्मचारियों की उपलब्धता के साथ-साथ अस्पतालों में उपकरणों की स्थिति की भी जानकारी ली। उन्होंने कहा कि आवश्यकतानुसार पर्याप्त मानव संसाधन उपलब्ध कराया जाए ताकि स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावी रूप से चल सकें। जिलाधिकारी ने जिला चिकित्सालय और उपजिला चिकित्सालयों की व्यवस्थाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाने के निर्देश देते हुए आपातकालीन सेवाओं को मजबूत करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि चम्पावत एक सीमावर्ती क्षेत्र है, इसलिए यहां उच्च स्तरीय और त्वरित चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराना बेहद जरूरी है। इसके अलावा, प्रत्येक विकासखंड में संचालित एएनएम सेंटर और डिलीवरी सेंटरों को अधिक सक्षम और सुविधायुक्त बनाने के निर्देश दिए गए ताकि मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार हो सके। उन्होंने सभी चिकित्सा अधिकारियों को निर्देशित किया कि उपलब्ध संसाधनों का पारदर्शी उपयोग करते हुए जनता को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी डॉ जी एस खाती, वरिष्ठ कोषाधिकारी सीमा बंगवाल, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ देवेश चौहान और जनपद के सभी सीएमएस सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

पुलिस ने बाईक रैली निकाल कर दिया जागरूकता का संदेश

एसएसपी अजय गणपति ने नई मोटरसाइकिलों को दिखाई हरी झंडी, बिना हेलमेट वालों को पहनाई फूल-माला

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय गणपति के कुशल नेतृत्व में ऊधम सिंह नगर पुलिस ने सड़क सुरक्षा के प्रति जनता को जागरूक करने के लिए एक विशाल और प्रभावशाली कदम उठाया है। मंगलवार को पुलिस कार्यालय रुद्रपुर से श्सड़क सुरक्षा, जीवन रक्षाश अभियान के अंतर्गत एक भव्य यातायात जागरूकता रैली का आयोजन किया को सुरक्षित बनाना रहा। अभियान का शुभारंभ करते हुए एसएसपी अजय गणपति ने पुलिस मुख्यालय से प्राप्त नई मोटरसाइकिलों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया, जो शहर में सुगम यातायात संचालन में मददगार साबित होंगी। इस दौरान एसएसपी ने सभी पुलिस अधिकारियों और जवानों को स्वयं भी यातायात नियमों का कड़ाई से पालन करने और समाज में जागरूकता का होकर शहर के व्यस्ततम क्षेत्रों जैसे डीडी चौक और नैनीताल रोड से होते हुए त्रिशूल चौक तक पहुँची। रैली के दौरान पुलिस कर्मियों ने नारों और संवाद के माध्यम से आमजन को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया। त्रिशूल चौक पर एक बेहद अनूठा और सकारात्मक दृश्य देखने को मिला, जब पुलिस अधीक्षक अपराध/यातायात ने बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चलाने वाले चालकों को रोका। पुलिस ने उन्हें दंडित करने के बजाय फूल-माला पहनाकर उनका स्वागत किया और स्वयं हेलमेट पहनाकर भविष्य में अपनी सुरक्षा के लिए हेलमेट पहनने की सख्त हिदायत दी। रैली के माध्यम से पुलिस ने जनता को कई महत्वपूर्ण सुरक्षा नियमों के प्रति सचेत किया। इसमें दोपहिया वाहनों पर अनिवार्य हेलमेट और ट्रिपल राइडिंग से बचने, चार पहिया वाहनों में सीट बेल्ट का उपयोग करने तथा शराब पीकर वाहन न चलाने जैसे संदेश प्रमुख रहे। साथ ही, गति सीमा का पालन करने और नाबालिग बच्चों को वाहन न सौंपने की भी अपील की गई, जिसे एक गंभीर अपराध और जानलेवा बताया गया। इस अवसर पर एसएसपी अजय गणपति ने अपना संदेश देते हुए कहा कि यातायात के नियम हमारी सुरक्षा के लिए बने हैं और सड़क सुरक्षा हमारे दैनिक जीवन उन्होंने दुर्घटना के समय घायलों की मदद करने वाले श्गुड सेमेरिटनश को प्रोत्साहित करने वाली योजनाओं की भी जानकारी दी। जागरूकता रैली में पुलिस अधीक्षक अपराध/यातायात, पुलिस उपाधीक्षक रुद्रपुर, प्रतिसार निरीक्षक, निरीक्षक यातायात और सीपीयू सहित जनपद के विभिन्न थानों व पुलिस कार्यालयों के अधिकारी एवं कर्मचारी भारी संख्या में उपस्थित रहे।

जूनियर ब्यूटी प्रैक्टिशनर प्रशिक्षण संपन्न,34 महिलाओं ने सीखे हुनर के गुर

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। बैंक ऑफ बड़ौदा आरसेटी हल्द्वानी द्वारा आयोजित 35 दिवसीय जूनियर ब्यूटी प्रैक्टिशनर प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन हो गया। इस स्वरोजगार परक प्रशिक्षण में नैनीताल जिले की 34 महिलाओं ने अपनी भागीदारी दर्ज कर सौंदर्य निखार के विभिन्न गुर सीखे। समापन अवसर पर मुख्य अतिथि जिला सेवायोजन अधिकारी प्रियंका गड़िया ने सभी सफल प्रशिक्षुओं को प्रमाणपत्र भेंट कर बधाई दी। उन्होंने कहा कि केवल प्रशिक्षण प्राप्त करना ही काफी नहीं है, बल्कि निरंतर अभ्यास से अपने कार्य में निपुणता लाना आवश्यक है। उन्होंने महिलाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि वे अपने इस हुनर को व्यवसाय में बदलें और स्वयं का स्वरोजगार स्थापित कर

अन्य लोगों को भी रोजगार से जोड़ें। उन्होंने जोर दिया कि अपनी रुचि और प्रतिभा को जीवित रखते हुए आगे बढ़ना ही जीवन की असली उपलब्धि है। कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षुओं को सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याण कारी और स्वरोजगार योजनाओं की विस्तृत जानकारी भी दी गई। संस्थान के फैकल्टी नरेंद्र सिंह पिलख्वाल ने बताया कि प्रशिक्षण पूर्ण होने के बाद भी संस्थान अगले दो वर्षों तक सभी प्रतिभागियों के संपर्क में रहेगा, ताकि उन्हें अपना निजी व्यवसाय शुरू करने और आय बढ़ाने के लिए निरंतर मार्गदर्शन मिलता रहे। इस मौके पर एफएलसी काउंसलर सुरेश बिष्ट ने भी प्रशिक्षुओं का उत्साहवर्धन किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। सभी प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण के दौरान सीखे गए कौशल को लेकर अपना अनुभव साझा किया और स्वरोजगार की दिशा में कदम बढ़ाने का संकल्प लिया।

रुपए न देने पर फैक्ट्री गार्ड ने उजाड़ा खोखा

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। सिडकुल की एक फैक्ट्री के पास खोखा लगाकर खाने का सामान बेचने वाले खोखा स्वामी पर दबंगई दिखाते हुए फैक्ट्री के बाहर तैनात सुरक्षा गार्ड ने ज्यादा रुपए देने की मांग पूरी न करने पर उसका खोखा उजाड़ दिया और वहां रखा सामान उठा ले गया। पीड़ित ने पुलिस से न्याय की गुहार लगाई है। गोपाल यादव पुत्र रोशन लाल यादव निवासी केसरी विहार कॉलोनी का कहना है कि टाटा बेल्डर कम्पनी प्रोविज सिक्योरिटी सैक्टर 11 कम्पनी के पास वह खोखा लगाकर खाने का सामान बेचता है। उसका

आरोप है कि उक्त फैक्ट्री का गार्ड दबंगई दिखाते हुए हर महीने उससे 5,000 रुपए लेने के साथ फ्री का खाना भी खाता है। अब उक्त गार्ड उससे 10,000 रूपये महीने की अवैध मांग करने लगा। जब उसे रुपए देने से मना किया तो गाली गलौच करते हुये वह मारने को उतारू हो गया। गोपाल का आरोप है कि गार्ड ने एक मई को उसकी दुकान बंद करा दी और दुकान में तोड फोड की एंव हजारों रूपये का सामान भी ले गया।

पेज एक का शेष...

हादसे में दो युवको ...ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं हादसे में घायल 27 वर्षीय मनप्रीत सिंह पुत्र बिश्चल सिंह निवासी किच्छा , 35 वर्षीय चन्द्रप्रकाश जोशी पुत्र त्रिलोक चन्द्र जोशी निवासी चम्पावत के अलावा दीपांश सिंघल के साथी अभय तनेजा, निक्की तनेजा, ऋषभ सक्सेना, अनुज सक्सेना को भी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सितारगंज में उपचार के लिए ले जाया गया। चिकित्सकों ने चन्द्रप्रकाश जोशी की गंभीर हालत को देखते हुए उसे हल्द्वानी रेफर कर दिया, जबकि संजय कुमार की मौत हो गई। मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया और परिजनों का रो रोकर बुरा हाल हो गया। हादसे में सभी लोगों का उपचार जारी है।सूचना पर पहुंची पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को कब्जे में लेकर यातायात सुचारु कराया। पुलिस ने दोनों मृतकों के शवों का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी खटीमा भेज दिया है। पुलिस हादसे के कारणों की जांच में जुटी हुई है।

कांग्रेस नेत्री ज्योति...धरने पर बैठे सैकड़ों आंदोलनकारी आक्रोशित हो गए और उन्होंने सड़क जाम कर दी। बताया जा रहा है कि शाम छह बजे से बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी सड़क पर बैठे रहे।आंदोलनकारियों और सरकार के बीच कई दौर की वार्ता भी हुई। स्वास्थ्य मंत्री की ओर से आश्वासन भेजे जाने के बाद कांग्रेस के कई नेता भी आंदोलनकारियों से बातचीत करने पहुंचे, लेकिन आंदोलनकारी शासनादेश जारी होने तक आंदोलन समाप्त करने को तैयार नहीं हुए। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि केवल आश्वासन नहीं बल्कि लिखित आदेश जारी होने के बाद ही आंदोलन खत्म किया जाएगा।मामले को लेकर प्रशासन और पुलिस भी लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए है। टंकी के आसपास सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है और आंदोलनकारियों को समझाने का प्रयास किया जा रहा है।

डंपरों से अवैध वसूली....उन्होंने एसएसपी समेत तमाम उच्चाधिकारियों को ज्ञापन सौंपकर जल्द से जल्द मुकदमा दर्ज करने और आरोपी की गिरफ्तारी की मांग की थी। ठुकराल ने चेतावनी दी थी कि यदि पुलिस राजनीतिक दबाव में आकर कार्यवाही नहीं करती है, तो वे जिला मुख्यालय पर उपवास और धरने पर बैठने को मजबूर होंगे। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए एसएसपी आईपीएस अजय गणपति ने जांच के आदेश दिए थे। लगभग 28 दिनों तक चली विस्तृत पुलिस जांच में प्रथम दृष्टया आरोप सही पाए गए। जांच रिपोर्ट के आधार पर एसएसपी के निर्देशानुसार कोतवाली पुलिस ने विकास सागर के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 303(2) और 318(4) के तहत मुकदमा पंजीकृत कर लिया है। पुलिस सूत्रों का कहना है कि इस वसूली खेल में कुछ अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

एनटीए ने लाखों ...अब उनके समक्ष दोबारा परीक्षा देना कितना मुश्किल हों जायेगा। उन्होंने कहा कि युवाओं की वर्षों की मेहनत और माता पिता की कड़े परिश्रम के लाखों रूपये पानी में बह गये। उन्होंने कहा कि इससे पूर्व भी राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा के पेपर लीक हो चुके हैं। जो देश के नौजवानों के भविष्य के साथ खिलवाड़ है। परीक्षा एजेंसी के भ्रष्ट अधिकारी रूपयों की लालच में उच्च कोचिंग सेंटरों को परीक्षा के पेपर के प्रश्न पहले ही उपलब्ध करा देते हैं। बाद में पेपर को स्ट्रांग रूम में रखने और पेपर लाने व ले जाने वाहनों में जैमर लगा देने की बात की दी जाती है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी के भ्रष्ट कार्यों पर आज सवालिया निशान लग चुका है। वार्ता के दौरान जगदीश तनेजा, राजेन्द्र निषाद, सचिन मुंजाल आदि मौजूद थे।

छात्र-छात्राओं को बताए सफलता के मंत्र

चम्पावत (उद संवाददाता)। जिलाधिकारी मनीष कुमार के निर्देशानुसार कौशल विकास एवं सेवायोजन विभाग द्वारा आज राजकीय इंटर कॉलेज चम्पावत में कैरियर काउंसिलिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्र-छात्राओं को रोजगार, स्वरोजगार, कौशल विकास और प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रति जागरूक कर उन्हें सही दिशा दिखाना था।कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को व्यक्तित्व विकास के गुर सिखाए और विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी से संबंधित महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्रदान किया। इस अवसर पर युवाओं को विदेश रोजगार प्रकोष्ठ, रोजगार प्रयाग पोर्टल एवं एनसीएस (नेशनल करियर सर्विस) पोर्टल के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई और उन्हें इन डिजिटल माध्यमों का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया गया।जिला सेवायोजन अधिकारी आरके पंत ने छात्र-छात्राओं की कैरियर संबंध

ी जिज्ञासाओं का समाधान किया और उनके द्वारा पूछे गए विभिन्न प्रश्नों के उत्तर दिए। उन्होंने बदलते परिवेश में रोजगार के नए अवसरों और कौशल विकास की अनिवार्यता पर जोर देते हुए कहा कि सही समय पर सही कैरियर का चुनाव ही सफलता की कुंजी है। कार्यक्रम में उपस्थित लगभग 175 छात्र-छात्राओं को कैरियर संबंधी उपयोगी साहित्य का भी वितरण किया गया। इस अवसर पर अत्रकला टम्टा, आशा टम्टा, नमिता मुरारी, अनीता खर्कवाल, ईश्वरी दत्त जोशी, दीपज्योति अधिकारी, ललिता, डॉली किमोठी, रीतू तिवारी, समता, सुषमा, गीता और चंद्रशेखर सहित विद्यालय का स्टाफ एवं अन्य लोग उपस्थित रहे।

दिवंगत अर्जुन चावला मार्ग का प्रस्ताव पारित

गदरपुर(उद संवाददाता) । नगर पालिका परिषद की बोर्ड बैठक में समाजसेवी एवं व्यापार मंडल महामंत्री संदीप चावला के दिवंगत पुत्र अर्जुन चावला की पुण्यतिथि पर एक महान निर्णय लिया गया। नगर पालिका परिषद की बोर्ड बैठक में कोतवाली परिसर के सामने वाली गली का नाम दिवंगत अर्जुन चावला मार्ग रखने का प्रस्ताव पारित हुआ। संदीप चावला ने बताया कि अर्जुन चावला ने कम उम्र में ही नेत्रदान कर समाज को प्रेरित करने का कार्य किया था,उनके योगदान पर प्रदेश सरकार ने सुशीला तिवारी अस्पताल हल्द्वानी में अर्जुन आई बैंक की स्थापना भी की थी । बैठक में सभासदों ने अर्जुन चावला को श्रद्धांजलि दी।

नशा मुक्ति केंद्र में....लोगों ने केंद्र में ही भर्ती एक अन्य मरीज पर हत्या का शक जताया है। घटना की गंभीरता को देखते हुए एसपी देहात शेखर चन्द्र सुयाल ने बताया कि पुलिस ने मामले की गहनता से जांच शुरू कर दी है। पुलिस नशा मुक्ति केंद्र के संचालक, कर्मचारियों और वहां उपचाराधीन अन्य मरीजों से विस्तार से पूछताछ कर रही है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि वारदात के समय कौन-कौन लोग शौचालय के आसपास मौजूद थे और हत्या के लिए किस हथियार का इस्तेमाल किया गया। आशीष की मौत की खबर मिलते ही बसेड़ी गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। एसपी देहात का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद स्थिति और स्पष्ट होगी। फिलहाल पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगालने और संदिग्धों से सुराग जुटाने में लगी है। स्थानीय लोगों ने नशा मुक्ति केंद्रों की सुरक्षा व्यवस्था और वहां के संचालन पर भी सवाल उठाए हैं।

मुख्यमंत्री की फटकार...पड़ा हुआ है। इतना ही नहींपुल से पहले सड़क के बीचो बीच एक जानलेवा गड्ढा भी बन गया है ऐसे में बरसात के मौसम में इस पुल पर हादसे से इनकार नहीं किया जा सकता। बता दें कि खटीमा से उत्तर प्रदेश को जोड़ने वाला यह पुल इस इलाके की लाइफ लाइन माने जाने वाले मार्ग की महत्वपूर्ण कड़ी है, लिहाजा सेना सड़क के नाम से पहचान रखने वाली इस सड़क पर बना यह पुल अगर किन्हीं कारणों से क्षतिग्रस्त होता है, तो हजारों लोगों के लिए आवागमन का संकट पैदा हो सकता है। मगर एनएच इस पुल की जर्जर हालत और आम लोगों के आवागमन के लिए उपरोक्त पुल की अपरिहायर्ता से फिलहाल पूरी तरह अनभिज्ञ नजर आ रहा है। हो सकता है किसी बड़े हादसे के बाद संबंधित विभाग की आंखें खुले या फिर मुख्यमंत्री की एक और फटकार पर। वह इसलिए क्योंकि खटीमा राज्य के मुख्यमंत्री का गृह नगर है और देर सवेर मुख्यमंत्री की नजर इस जर्जर पुल पर पड़नी ही है। जाहिर है कि उस समय नेशनल हाईवे ऑफ इंडिया के पास अपनी इस लापरवाही पर पर्दा डालने की कोई भी जायज वजह नहीं होगी ।

सूचना नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपना नाम संजना मुंजाल (SANJANA MUNJAL) से बदलकर संजना बत्रा (SANJANA BATRA) रख लिया है। भविष्य में मुझे संजना बत्रा (SANJANA BATRA) के नाम से जाना व पहचाना जाएगा।
संजना बत्रा पुत्री श्री चंद्र मोहन बत्रा, निवासी -ग्राम एवं पी.ओ.-भूरारानी, भंजू राम स्कूल के पास,रुद्रपुर,उधम सिंह नगर, उत्तराखंड

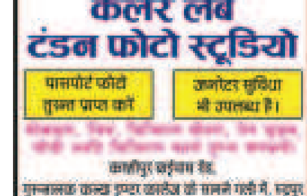

संस्थापक-स्व० हरनामदास सुखीजा एवं स्व०तिलकराज सुखीजा
स्वामित्वाधिकारी,प्रकाशक एवं मुद्रक परमपाल सुखीजा द्वारा उत्तरांचल दर्पण पब्लिकेशन्स, श्याम टाकीज रोड,रुद्रपुर,ऊधमसिंहनगर (उत्तराखण्ड)से मुद्रित एवं प्रकाशित
सम्पादक- परमपाल सुखीजा
आरएनआई नं.: UTTHIN/2002/8732 समस्त विवाद रूद्रपुर न्यायालय के अधीन होंगे।
E-mail-darpan.rdr@gmail.com,www.uttaranchaldarpan.in
फोन-245886(O)245701(Fax),9897427585,9897427586(Mob.)

सबसे ऊंची मीनारों वाली मस्जिद पर फिर से काम शुरू

सनातन तीर्थ क्षेत्र हरिद्वार जिले में जिलाधिकारी ने लगाई थी रोक, सात माह की खामोशी के बाद फिर शुरू हुआ काम

देहरादून। उत्तराखंड को सनातन संस्कृति की राजधानी कहे जाने वाले हरिद्वार जिले की सुल्तान नगर पंचायत शेत्र में एक बार फिर से मस्जिद का निर्माण शुरू हो गया है,सोशल मीडिया में ऐसा दावा किया जाता है कि ये उत्तराखंड की सबसे बड़ी मस्जिद और सबसे ऊंची मीनार बनाई जा रही है। उल्लेखनीय है कि करीब दस माह पहले इस मस्जिद और ऊंची मीनारों को मानकों के अनुरूप नहीं पाया गया और न ही इसके निर्माण के लिए जिला प्रशासन अथवा प्राधिकरण से कोई अनुमति ली गई थी। अब यहां पुन: बल्लियां खड़ी करके काम होता दिखाई दे रहा है। सोशल मीडिया में ये प्रकरण चर्चित होने पर डीएम हरिद्वार ने इसके निर्माण पर रोक लगाते हुए नोटिस जारी किया था,जिसके बाद उक्त मस्जिद के निर्माण कार्य को रोक दिया गया था। हरिद्वार जिले के सुल्तानपुर नगर पंचायत क्षेत्र में उत्तराखंड की सबसे बड़ी मस्जिद बनाए जाने और उसकी मीनार की ऊंचाई को लेकर खबरें सुर्खियों में रही। हरिद्वार जिला प्रशासन ने इसका निर्माण कार्य रोकते हुए नोटिस जारी किया था। बताया जाता है कि नोटिस का कोई जवाब नहीं मिला यानि स्पष्ट है कि उक्त मस्जिद बिना किसी सरकारी अनुमति के बनाई जा रही है।सुप्रीम कोर्ट का 2009 और 2016 का ऐसा निर्देश है कि कोई भी धार्मिक भवन या संरचना बिना जिला अधिकारी के अनुमति के नहीं बनाई जा सकती। इसके पीछे तर्क यही था कि एक तो धार्मिक संरचना, सरकारी भूमि पर न बने और इसके निर्माण में सुरक्षा के हर पहलू का ध्यान रखा जाए। **कई मस्जिदों ने नहीं ली निर्माण की अनुमति** उत्तराखंड में 722 से अधिक मस्जिदों का निर्माण हो चुका है जिसका आंकड़ा उत्तराखंड सरकार के पास भी है। इनमें सबसे ज्यादा मस्जिदें सनातन गंगा नगरी हरिद्वार जिले में है जिनके संख्या

322 बताई गई है। देहरादून जिले में 155, उधम सिंह नगर में 144 और नैनीताल जिले में 48 मस्जिदें है।खास बात ये कि इनमें से शायद ही कोई ऐसी हो जिसमें भव्यता का निर्माण कार्य न चल रहा हो। खास बात ये भी है कि कुछ चिन्हित स्थानों पर मस्जिदों ने भव्यता के साथ साथ बड़ा आकार लेना भी शुरू कर दिया है मानो यहां कोई कंप्टीशन चल रहा हो कि कौन सबसे ऊंची मीनार बनाएगा या कौन सबसे बड़ी मस्जिद बनाएगा। **सरकारी जमीनों पर अतिक्रमण :** गौर करने वाली बात ये कि इनमें कोई भी निर्माण संबंधी अनुमति नहीं ले रहा ,कारण ये है कि प्रशासनिक अनुमति प्राप्त करने के लिए उन्हें भूमि, संस्था पंजीकरण, आय व्यय का ब्यौरा और अन्य दस्तावेज दिखाने पड़ते है जोकि बहुत से मस्जिद प्रबंधकों के पास नहीं होते। कई इमारतें ऐसी है जोकि सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे करके बनाई गई है और फिर उन्हें वक्फ बोर्ड में पंजीकृत करवा दिया गया,इसका नतीजा ये हुआ कि प्रशासन इनके खिलाफ कार्रवाई करने से परहेज करता रहा। पिछले दिनों वक्फ बोर्ड की संपत्तियों को उम्मीद पोर्टल पर दर्ज करवाने के दौरान भी ऐसे ही पेच उलझे हुए दिखाई दिए है। बरहाल सनातन देवो की भूमि उत्तराखंड में इस्लामिक प्रतीक चिन्हों की बढ़ती बसावट से स्थानीय सनातन संगठन भी चिंतित है। **नियमो का उलंघन :** जानकारी के मुताबिक इस मस्जिद के निर्माण मानकों को लेकर कोई गाइड लाइन की चिंता नहीं की गई क्योंकि जब इसका नक्शा ही पास नहीं करवाया गया तो न तो फायर सेफ्टी न ही लोकनिर्माण और न ही अन्य किसी विभाग से अनापत्ति प्रमाण पत्र लिया गया। आम तौर पर कोई आम व्यक्ति घर भी बनाता है तो उसके लिए मानक तय है, कितनी ऊंचाई होगी,पार्किंग स्पेस कहां है ? परन्तु उक्त मस्जिद निर्माण के दौरान ऐसे किसी भी मानकों का पालन नहीं किया गया। पहाड़ी रिहायशी अथवा व्यवसायिक भवन बनाने के लिए केवल 12 मीटर की अनुमति है। जबकि मैदानी इलाकों में इसमें 30 मीटर यानी करीब 100 फीट लेकिन यहां मस्जिद में 250 फिट ऊंची मीनार किसी भी मानक के अनुसार प्रथम दृष्टि में सही नहीं कही जा रही। जानकारी के अनुसार यदि सौ मीटर से ऊंची इमारत है तो उसके लिए शासन से अनुमति के साथ साथ आई आई टी के संरचनात्मक प्रौद्योगिकी विभाग से अनुमति लेना आवश्यक है। सुल्तानपुर मस्जिद निर्माण के विषय में हरिद्वार के डीएम मयूर दीक्षित का कहना है कि ये विषय जब संज्ञान में आया था तब वहां नोटिस देकर निर्माण कार्य रुकवा दिया गया था, अब यदि पुन: कोई निर्माण कार्य हो रहा है तो इसकी जांच पड़ताल की जाएगी।

भंजुराम अमर इंटर कॉलेज के वार्षिकोत्सव का भव्य समापन

धार्मिक अनुष्ठान, विशाल भंडारे और छात्रा सम्मान समारोह में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। भूरारानी स्थित श्री भंजुराम अमर इंटर कॉलेज एवं अमर इंटरनेशनल स्कूल के 49वें वार्षिकोत्सव का सोमवार को धार्मिक एवं आध्यात्मिक वातावरण में भव्य समापन हो गया। चार दिवसीय धार्मिक महोत्सव के अंतिम दिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु, क्षेत्रवासी और भक्तजन आयोजन स्थल पर पहुंचे तथा पूजा, हवन और भंडारे में सहभाग कर आध्यात्मिक लाभ प्राप्त किया।कार्यक्रम का शुभारम्भ प्रात: 8 बजे वेद मंत्रोच्चारण एवं हवन यज्ञ के साथ हुआ, जो सुबह 9:30 बजे तक चला। हवन यज्ञ के पश्चात श्रद्धालुओं ने पूज्य गुरुदेव महाराजश्री के पावन संदेश का श्रवण किया। पूरे आयोजन स्थल पर भक्तिमय वातावरण बना रहा और श्रद्धालु धार्मिक अनुष्ठानों में श्रद्धाभाव से सहभागी बने रहे।समापन अवसर पर दोपहर 1 बजे से विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें दूर दराज से पहुंचे श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। आयोजन के दौरान सेवा, अनुशासन और श्रद्धा का अद्भुत संगम देखने को मिला। भंडारे एवं अन्य व्यवस्थाओं में सेवा समितियों और स्वयंसेवकों की सक्रिय भूमिका रही।समापन दिवस पर समाजसेवी रामलाल डोंगरा एवं मीना डोंगरा विशेष रूप से उपस्थित रहे। वहीं भंडारा सेवा में किरन अदलखा, सुरेन्द्र अदलखा, रेखा जसवानी, राजेश जसवानी, विद्यालय के कोषाध्यक्ष गणपत राम गांधी, विद्यालय प्रबंधक सुरेश गांधी, रूद्रपुर के महापौर विकास शर्मा, अमर इंटरनेशनल स्कूल के प्रधानाचार्य असीम दास, उप प्रधानाचार्या भावना जोशी तथा भंजुराम अमर इंटर कॉलेज की प्रधानाचार्या प्रतिमा दास का विशेष सहयोग रहा। समाजसेवी भारत भूषण चुग ने बताया कि इस अवसर पर भंजुराम अमर इंटर कॉलेज की प्रतिभाशाली छात्रा सुशीला मेहंदीरत्ता को भी सम्मानित किया गया। छात्रा ने वर्ष 2025 26 में उत्तराखंड में प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय एवं क्षेत्र का नाम रोशन किया है। वार्षिकोत्सव के दौरान पूज्य स्वामी जी महाराज ने प्रतिभावान छात्रा को सम्मानित कर उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए आशीर्वाद प्रदान किया।चार दिवसीय धार्मिक महोत्सव के सफल आयोजन पर श्री स्वामी अमरदेव लोक कल्याण ट्रस्ट भूरारानी एवं श्री स्वामी अमरदेव कृष्णदेव मिशन की ओर से सभी श्रद्धालुओं, सहयोगियों और सेवा समितियों का आभार व्यक्त किया गया।

आठवें दिन भी धरना जारी, बेहड़ ने सरकार पर साधा निशाना

नानकमत्ता। ग्राम सरोजा निवासी ग्राम प्रधान पद के प्रत्याशी सुखविंदर सिंह मोमी एवं बजिंदर सिंह मोमी का अतिक्रमण दर्शाकर नामांकन निरस्त किए जाने के विरोध में उप तहसील नानकमत्ता परिसर में चल रहा धरना आठवें दिन भी जारी रहा। धरने में बड़ी संख्या में ग्रामीणों और कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।धरना स्थल पर पहुंचे किच्छा विधायक तिलक राज बेहड़ ने प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में भाजपा सरकार धनबल और अधिकारियों से मिलीभगत कर चुनाव जीतने का प्रयास कर रही है। कांग्रेस समर्थित प्रत्याशियों को जबरदस्ती चुनाव हराने का काम किया जा रहा है, जिसे कांग्रेस पार्टी कतई बर्दाश्त नहीं करेगी।उन्होंने कहा कि कांग्रेस संगठन पूरी मजबूती के साथ जनता की आवाज उठाएगा और लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष जारी रहेगा। विधायक बेहड़ ने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग भी की।इस दौरान युवा कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सुमित भुल्लर, कांग्रेस नेता अशोक राणा, हरिओम राणा, सुरेंद्र सिंह करनावल, रणजीत सिंह, हरदेव सिंह, सुरजीत सिंह, बलदेव सिंह सहित कई कार्यकर्ता और ग्रामीण मौजूद रहे।

अखण्ड महानाम संकीर्तन में गूंजा हरे रामा हरे कृष्णा महामंत्र

रूद्रपुर ग्राम सभा बुक्सौरा के ग्राम दुर्गापुर नंबर एक में ग्रामवासियों की ओर से आयोजित अखण्ड महानाम संकीर्तन में पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल ने प्रतिभाग कर कीर्तन मंडलियों के साथ हरे रामा हरे कृष्णा महामंत्र का उच्चारण किया और आशीर्वाद प्राप्त किया। धार्मिक आयोजन के दौरान पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा और श्रद्धालु भक्ति रस में सराबोर नजर आए। कार्यक्रम में पहुंचने पर आयोजकों एवं ग्रामीणों ने पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल का गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। इस दौरान आयोजक मंडल की ओर से उन्हें अंग वस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया। श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए राजकुमार ठुकराल ने कहा कि धार्मिक आयोजन समाज में सकारात्मक ऊर्जा और आपसी भाईचारे को बढ़ावा देते हैं। उन्होंने कहा कि महानाम संकीर्तन जैसे कार्यक्रम हमारी संस्कृति और आध्यात्मिक परंपराओं को जीवित रखने का कार्य करते हैं। उन्होंने क्षेत्र की सुख शांति और समृद्धि की कामना भी की। इस अवसर पर ग्राम प्रधान बुक्सौरा गगन सिंह रंधावा, ग्राम प्रधान विजयनगर त्रिनाथ विश्वास, क्षेत्र पंचायत सदस्य करन सिंह रंधावा, हरी सरकार, अंकित बठला, आनंद शर्मा, सुदीप ठाकुर सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं क्षेत्रवासी मौजूद रहे।